दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

विधानसभा चुनाव 2023

वर्ष: 2 | अंक: 324 जयपुर, गुरुवार, 02 नवंबर, 2023 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष- पंचमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

कांग्रेस फिर से!

कांग्रेस की दूसरी गारंटी

पशुपालकों से गोबर की ख़रीदी

₹2 प्रति किलो

गारंटी में अपना नाम दर्ज कराने के लिये मिस्ड कॉल दें 8587070707

गौ धन गारंटी

बगावती बिगाड़ेंगे चुनावी गणित!

असंतोष के स्वर क्यों?

विनायक शर्मा

राजस्थान विधानसभा चुनाव में हर चुनाव की तरह असंतुष्ट मुखर होने लगे हैं। जो नेता, टिकट वितरण से पूर्व खुद को पार्टी का सेवाभावी कार्यकर्ता बता रहे थे, वे टिकट दूसरे को मिल जाने से अचानक बागी 'नेता' बन गए हैं। यानी निष्ठा, जनसेवा और पार्टी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की बातें हवा हो गई हैं। आलम यह है कि न सिर्फ प्रमुख दलों, बल्कि छोटे दल भी इस दंश को झेल रहे हैं। जिन विधानसभा क्षेत्रों में पार्टियों ने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है, वहां तो खुद को प्रबल दावेदार मानने वाले विरोध जता ही रहे हैं, लेकिन जहां अभी प्रत्याशी की घोषणा नहीं हुई है, वहां भी असंतोष की भावनाओं का इजहार जता रहा है कि महत्वाकांक्षाएं अतितीव्र इच्छाओं में बदल चुकी है। इसकी तह में जाएं तो सामने आता है कि ऐसे तमाम नेताओं का धैर्य जवाब देने लगा है और टिकटार्थी पैनल में अपना नाम नहीं होने की सूचना के आधार पर ही वे उतावलेपन में विरोध पर उतर आए हैं। कुछ तो इस मर्तबा कम से कम राजस्थान में तो दोनों प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस एक-एक सीट के लिए शतरंज की बिसात की मानिंद एक-दूसरे के प्रत्याशी के समीकरणों के आकलन पर वक्त लगा, अपने प्रत्याशी के चयन की कवायद में अधिक समय ले रहे हैं, जिससे 'अर्द्धयोग्य' दावेदार धैर्य खो रहे हैं और जहां प्रत्याशी घोषित हो गया है, वहां खेमेबाजी इस बगावत के मूल में है। जहां तक भाजपा और कांग्रेस की बात है तो कांग्रेस अब तक 156 और भाजपा 124 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। जाहिर है, कांग्रेस के 44 और भाजपा के 76 प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगनी बाकी है। वह भी तब, जब नामजदगी पर्चे दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। और तो और, इन दोनों पार्टियों की सूचियों पर गौर करें तो कई दिग्गजों के नाम नदारद देख लगने लगा है कि दल कहीं इनके धैर्य की परीक्षा तो नहीं ले रहे। इनमें जो परिपक्व और स्थापित नेता हैं, वे तो आत्मविश्वास के साथ चुपचाप बैठ हर अगली सूची का इंतजार कर रहे हैं, वहीं कुछ नेता लॉबिंग करके अपना टिकट पक्का करने की जुगत में लग चुके हैं। तो, कुछ ने असंतोष के स्वर मुखर करने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे दिग्गज भी सब्र से आखिरी बॉल तक मैच के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। उधर, भाजपा के भवानी सिंह राजावत जैसे कोटा के कद्दावर नेता सब्र का दामन छोड़ बगैर टिकट का ऐलान हुए लाडपुरा से नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उनका कहना है कि वे सर्वे में नंबर वन पर हैं। भाजपा में जहां-जहां से सांसद चुनाव में उतारे जा रहे हैं, वहां जमे जमाए विधायक या पूर्व विधायक अपनी सियासत पर सवालिया निशान लगा मान डट कर विरोध करने लगे हैं। वहीं, कांग्रेस में भी कई जगह पूर्व या सिटिंग एमएलए टिकट नहीं मिलने, या नहीं मिलने की आशंका में आपा खोकर असंतोष जता रहे हैं। बहरहाल, विरोध यानी अपनी बात पुरजोर तरीके से रखना लोकतंत्र की खूबी है। अलबत्ता, विरोध अगर पार्टी को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में पहुंच जाए तो आत्मघाती भी हो सकता है। खैर, अब चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। अंत में जीत लोकतंत्र की ही होनी है।

टिकट कटने से नाराज नेताओं को गहलोत की नसीहत, कहा...

सरकार बनवाओ, सबको करेंगे एडजस्ट... दूर करेंगे नाराजगी

संकट के समय साथ दिया तो हमारी सरकार बची, अब कांग्रेस को करें मजबूत

बेधड़क | जयपुर

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि जिन लोगों ने संकट के समय हमारी सरकार का साथ दिया और हम सरकार बचाने में कामयाब हुए, लेकिन अब किसी कारणवश उनमें कुछ को अगर टिकट नहीं मिला है तो उनकी नाराजगी दूर की जाएगी। मुख्यमंत्री गहलोत ने यह बात बुधवार को दिल्ली से जयपुर लौटने पर सांगानेर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए कही। गहलोत ने कहा कि सभी को तो टिकट नहीं दिया जा सकता, लेकिन मेरा उनसे आग्रह है कि पार्टी का जो प्रत्याशी है, उसे चुनाव जितवाए और कांग्रेस को मजबूत बनाएं। गहलोत ने बगावत करने वालों को संदेश दिया कि सरकार बनने के बाद उन्हें एडजस्ट किया जाएगा, कैबिनेट का दर्जा भी दिया जा सकता हैं। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी के नेता चुनाव जिताते हैं तो सरकार बनने पर उन्हें बोर्ड आदि में मौके दिए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि टिकट नहीं मिलने के कारण नाराज नेताओं से बातचीत कर उन्हें मनाया जाएगा।

यह कांग्रेस के भविष्य का भी चुनाव

गहलोत ने कहा कि यह कांग्रेस के भविष्य का भी चुनाव है। यह विधानसभा चुनाव सिर्फ कांग्रेस, राजस्थान का नहीं हैं। यह चुनाव कांग्रेस के भविष्य का चुनाव भी है। मैं मानता हूं कि अगर वे जिता देंगे तो हम सरकार बन जाने पर उनको बोर्ड आदि में कहीं भी समायोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि टिकट बंटवारे के बाद कुछ कार्यकर्ताओं का नाराज होना स्वाभाविक है, लेकिन टिकटों का वितरण कुल मिलाकर सबकी सलाह से हुआ है, फिर भी कुछ शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन जनता चाहती है कि कांग्रेस की सरकार फिर से बने, क्योंकि हमने जनहित के कई काम किए हैं। इस बार मेरा मन कहता है कि लोग और कुछ नहीं देखेंगे। हमारे कामों को देखेंगे। मैंने जो काम किए हैं, मैं उनके साथ खड़ा हूं। मेरी पार्टी मेरे साथ खड़ी है। हमारी सरकार आपके सामने खड़ी है। पिछले चुनाव में जो वादे मैंने किए थे, करीब-करीब वे सभी वादे निभाए हैं। मुझे लगता है कि जनता इस बार आशीर्वाद देगी। भले ही मैं मुख्यमंत्री हूं, लेकिन सभी फैसले वैसे नहीं हो सकते, जैसे मैं चाहता हूं। यही लोकतंत्र है इस बार बड़े पैमाने पर सभी के सुझावों के साथ टिकट बांटे गए। हम चुनाव जीतेंगे, आम लोग यही चाहते हैं।

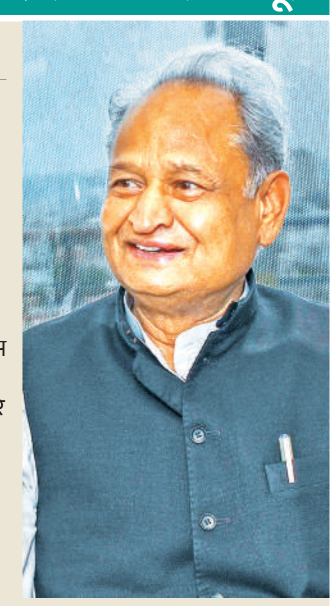

यूपी में बुलडोजर सरकार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राजस्थान दौरे संबंधी एक सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा कि वहां बुलडोजर सरकार है। क्या यह राज (शासन) है? क्या यह लोकतंत्र है? कुछ लोग उनकी बातों से खुश हो जाते हैं, लेकिन कानून का राज नहीं है, तो आप और हम भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। गहलोत ने कहा कांग्रेस से ज्यादा आक्रोश भाजपा में है। सुना है वहां तो पार्टी मुख्यालय का गेट ही बंद कर दिया गया है। लेकिन हमने जो वादे किए, वे निभाए और जनता की सभी उम्मीदों पर खरे उतरे। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस की राजस्थान में लागू योजनाओं के साथ ही 7 गारंटियों की भी चर्चा देशभर में हैं।

CM गहलोत आज चुनावी दौरे पर

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को प्रदेश के चुनावी दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 11 बजे दूदू में एक जनसभा करेंगे। उसके बाद 1.30 बजे बीकानेर नोखा में कांग्रेस प्रत्याशी सुशीला डूडी के लिए समर्थन मागेंगे। इस दौरान वे आमजन को संबोधित करेंगे। कांग्रेस ने नोखा से रामेश्वर डूडी की जगह उनकी पत्नी को टिकट दिया है। गहलोत दोपहर 3.30 पर करणी माता के दर्शन कर मां से जीत का आशीर्वाद मांगेंगे।

भाजपा का मंथन पूरा: आज जारी हो सकती है 50 नामों की तीसरी सूची

सीईसी की बैठक में बची 76 सीटों पर पीएम मोदी के साथ चर्चा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के शेष प्रत्याशियों का मंथन हो चुका है। बुधवार रात दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में बची हुई 76 सीटों के नामों पर चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया कि करीब 50 नामों पर मुहर लग गई है। इनका ऐलान गुरुवार को संभव है। भाजपा तीसरी सूची में भी कई सांसदों को चुनाव में उतार सकती है। करीब दो घंटे चली बैठक में पीएम मोदी के अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह सहित अन्य नेता शामिल हुए।

तीसरी लिस्ट में होंगे 50 नाम

सूत्रों के मुताबिक बैठक में शेष बची सभी 76 सीटों पर नाम फाइनल कर लिए गए हैं, लेकिन जिन सीटों पर विवाद की ज्यादा आशंका हैं। वहीं, जिन सीटों पर कांग्रेस से शामिल नेताओं को टिकट देना तय हुआ हैं। उन्हें तीसरी लिस्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। ऐसे में तीसरी लिस्ट में बीजेपी 50 से 55 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर सकती है।

कई ऐसी सीटें जिन पर भाजपा हारी थी

वहीं बैठक में बची हुई 76 सीटों में से उन सीटों पर ज्यादा फोकस किया गया, जिन सीटों पर पिछली बार कांग्रेस के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। करीब 66 सीटों पर बीजेपी अपना पिछला चुनाव हार चुकी है। वहीं इन सीटों पर कोर कमेटी के सदस्यों ने तीन-तीन नाम केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दिए। ऐसे में इन सीटों पर उम्मीदवार मोदी और नड्डा के मंथन के बाद ही फाइनल होंगे। शेष बची 10 सीटें ही ऐसी बताई जाती हैं, जहां भाजपा ने पिछला विधानसभा चुनाव जीता था। ये सीटें शाहपुरा (भीलवाड़ा), केशोरायपाटन, भीनमाल, सूरतगढ़, रानीवाड़ा, फलोदी, लाडपुरा, रामगंज मंडी, मावली और कपासन हैं।

जरूरी खबर

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 83.33 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को नौ पैसे गिरकर 83.33 (अस्थाई) के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी प्रतिद्वंद्वी मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों के नकारात्मक रुख और पश्चिम एशिया में भूराजनीतिक अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशक धारणा प्रभावित हुई। रुपया मंगलवार को 83.24 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था।

ये भी देखें...

मोदी डरते हैं इसलिए ईडी को करते है आगे पेज-2

बाजार में बढ़ गई 'नेताजी वाली ड्रेस' की डिमांड पेज-3

प्रचार सामग्री की दुकानें ग्राहकों के इंतजार में पेज-5

न्यूजीलैंड ने वर्ल्ड कप में लगाई हार की हैट्रिक

द. अफ्रीका ने 190 रनों से रौंदा, IND Vs SL मैच आज

एजेंसी | पुणे

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को विश्व कप 2023 के 32वें मैच में 190 रन से हरा दिया है। अफ्रीका की टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई है। बुधवार को पुणे में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डिकॉक (114) और रासी डुसेन (133) के शतकों की बदौलत 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 357 रन बनाए। इसके जवाब में

न्यूजीलैंड की टीम 35.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 167 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की विश्व कप 2023 में ये लगातार तीसरी हार है, इससे पहले न्यूजीलैंड को भारत और ऑस्ट्रेलिया ने हराया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ओपनर क्विंटन डिकॉक ने विश्व कप 2023 में चौथा शतक लगाया।

भारत बनाम श्रीलंका: गुरुवार को टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय टीम इंडिया का मुकाबला श्रीलंका से दोपहर 2 बजे मुंबई में होगा।

इजराइल-हमास युद्ध

34 पत्रकारों की मौत का दावा

एजेंसी | द हेग (नीदरलैंड)

मीडिया की आजादी के लिए काम करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने बुधवार को कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध में 34 पत्रकार मारे गए हैं। समूह ने दोनों पक्षों पर युद्ध अपराधों में शामिल रहने का आरोप लगाया है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स नामक इस संगठन ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अभियोजकों से पत्रकारों की मौतों की जांच करने का आह्वान किया। इससे पूर्व गाजा पट्टी में नागरिक क्षेत्रों पर इजराइल की बमबारी में आठ फलस्तीनी पत्रकारों और हमास के हमले में एक इजराइली पत्रकार के मारे जाने की शिकायत दर्ज कराई है।

नवंबर में तापमान में बड़ा बदलाव संभव नहीं

विक्षोभ नहीं होने से प्रदेश में इस बार देर से आएगी सर्दी

बेधड़क | जयपुर

उत्तरी भारत में विक्षोभ नहीं होने के कारण प्रदेश में लगातार मौसम परिवर्तन हो रहा है। अलबत्ता, प्रदेश में सर्दी के देर से आने की संभावना जताई जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी भारत में बारिश नहीं होने से आने वाले महीने में प्रदेश तक हिमालय की ठंडी हवा नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में लगभग पूरे नवंबर माह में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच, बुधवार को जैसलमेर में हल्की बारिश दर्ज की गई है, जिससे प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में रात में ठंडी हवा चलने से लोगों को गुलाबी सर्दी का एहसास हो रहा है।

किसानों की बढ़ी चिंता

मौसम विभाग, जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अक्टूबर में बारिश कम होने के कारण नवंबर में तापमान में बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। वहीं, दीपावली तक पश्चिमी विक्षोभ भी नहीं बन रहा है। अत: पहाड़ों पर बर्फबारी और अच्छी बारिश नहीं हो पाएगी। प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में 15 नवंबर तक औसत तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रह सकता है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान का औसतन 32 डिग्री रहने का अनुमान है। बारिश और ठंड नहीं होने से रबी पर भी असर हो सकता है। किसानों ने रबी की बुवाई शुरू कर दी थी। ऐसे में पानी की कमी के कारण फसल को नुकसान होने का अंदेशा है।

एयर डिफेंस सिस्टम

दुश्मन की मिसाइलें और रॉकेट हवा में कर दिए जाएंगे ध्वस्त

- इजराइल की तरह भारत बना रहा है देसी आयरन डोम
- रूस के एयर डिफेंस सिस्टम S-400 के बराबर होगी क्षमता
- भारत की साल 2028-29 तक तैनात करने की योजना

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत अगले पांच सालों में अपनी लंबी दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने के लिए तैयारी कर रहा है। 'प्रोजेक्ट कुश' के तहत विकसित हो रही स्वदेसी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाले इस डिफेंस सिस्टम की क्षमता रूस के एयर डिफेंस सिस्टम S-400 के बराबर क्षमता होगी।

भारत ने 2028-29 तक अपनी लंबी दूरी के एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय रूप से तैनात करने की योजना बनाई है। ये स्वदेसी एयर डिफेंस सिस्टम 350

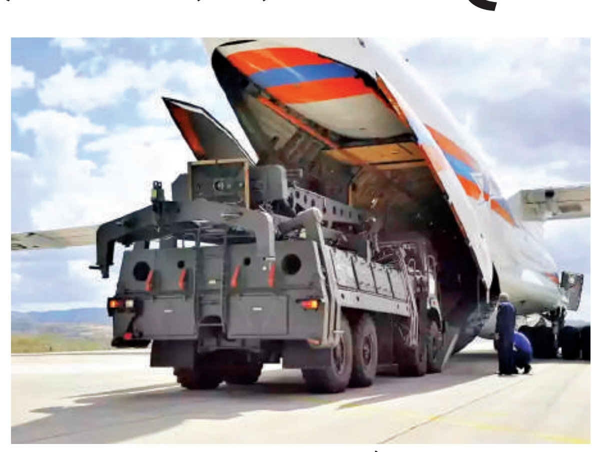

किमी तक की दूरी पर आने वाले स्टील्थ फाइटर जेट, मिसाइल, ड्रोन और टारगेट गाइडेड हथियारों का पता लगाकर समय रहते ढेर कर देगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'इंटरसेप्शन कैपिबिलिटी' से जुड़ा महत्वाकांक्षी 'प्रोजेक्ट कुश' के तहत डीआरडीओ की तरफ से विकसित किए जा रही स्वदेसी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (LR-SAM) सिस्टम, हाल ही में शामिल किए गए रूसी मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम S-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम के जैसा होगा। बताया जा रहा है कि इसे हाल ही में वायुसेना में शामिल किया गया है।

डेढ़ साल पहले मिली थी मंजूरी

मई 2022 में मिशन-मोड परियोजना के रूप में एलआर-एसएएम सिस्टम के विकास को रक्षा मंत्रालय द्वारा मंजूरी दी गई थी। मंत्रालय ने पिछले महीने वायुसेना के लिए 21,700 करोड़ रुपए की लागत से अपने पांच स्क्वॉड्रनों की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति दी थी। इसमें लंबी दूरी की निगरानी और अग्नि नियंत्रण रडार के साथ मोबाइल एलआर-एसएएम में 150 किमी, 250 किमी और 350 किमी की दूरी पर दुश्मनों को मारने के लिए तैयार की गई अलग-अलग तरह की इंटरसेप्टर मिसाइलें होंगी।

350 किमी दूर तक वार करेगा

इसे 250 किलोमीटर की दूरी पर लड़ाकू आकार के लक्ष्यों को मार गिराने के लिए तैयार किया जाएगा, जिसमें हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली और हवा में ईंधन भरने वाले बड़े विमानों को 350 किमी की दूरी पर रोक दिया जाएगा। रणनीतिक और सामरिक रूप से कमजोर क्षेत्रों में व्यापक वायु रक्षा कवर प्रदान करने के लिए, एलआर-एसएएम कम-रडार क्रॉस-सेक्शन वाले उच्च गति वाले लक्ष्यों के खिलाफ भी प्रभावी होगा।

जरूरी खबर

पूनियां के खिलाफ निर्वाचन अधिकारी को दी शिकायत

जयपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां की ओर से आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूनियां के विरुद्ध चुनाव आयोग में आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत की गई है। राजस्थान बीज निगम के निदेशक व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां द्वारा प्रियंका गांधी को खलनायिका बताए जाने पर बूंदी जिला निर्वाचन अधिकारी जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी को लिखित शिकायत सौपी हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने संभाला प्रभार

जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को जयपुर सैन्य स्टेशन में सप्तशक्ती दक्षिण पश्चिमी कमान का प्रभार संभाल लिया है। सेना प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने बयान में बताया कि लेफ्टिनेंट सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र हैं। दक्षिण पश्चिमी कमान का कार्यभार संभालने से पहले वे दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग थे। उन्होंने बताया कि जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने सैन्य कॉलेज पेरिस में प्रतिष्ठित रक्षा सेवा कमांड और जनरल स्टाफ कोर्स में भाग लिया है और वे हायर कमांड कोर्स महू और नेशनल डिफेंस कॉलेज दिल्ली के भी पूर्व छात्र हैं।

आरएलपी ने जारी की 11 प्रत्याशियों की दूसरी सूची

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने अपनी दूसरी लिस्ट बुधवार जारी कर दी है। इस सूची में 11 उम्मीदवारों के नाम है। सूची के अनुसार निवाई से प्रहलाद नारायण बैरवा, देवली-उनियारा से डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर,पुष्कर से अशोक सिंह रावत, मसूदा से सचिन जैन सांखला,डीग-कुम्हेर से मनुदेव सिनसिनी, जमवारामगढ़ से डॉ. रमेश सोलंकी, नीमकाथाना से राजेश कुमार मीणा दूदू से हनुमान प्रसाद बैरवा, कोटपूतली से सतीश कुमार मांडैयां, दांतारामगढ़ से महावीर बिजारणिया, लक्ष्मणगढ़ से विजयपाल सिंह बगड़िया मैदान में उतरा हैं।

भाजपा का बढ़ता कुनबा: संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा- पीएम मोदी की विचारधारा से बढ़ रहे हैं समर्थक

कांग्रेस के दर्शन सहित कई नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

■ आरएलपी के शिवदयाल डांगी भी भी भाजपा परिवार के बने सदस्य

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को पूर्व विधायक दर्शन सिंह, सुभाष मील खंडेला ने भी भाजपा का दामन थाम लिया।

इसके अलावा शिवदयाल डांगी आरएलपी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, राजेंद्र राठौड़ ने उन्हें सदस्यता ग्रहण करवाई।

इस दौरान भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी मौजूद रहे। वहीं किशनगढ़ नगर परिषद के पूर्व उप सभापति राकेश काकड़ा, प्रकाश राठी और जगदीश कोठीवाल ने भी बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने इनको सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ भी मौजूद रहे। इस मौके पर आयोजित समारोह में भाजपा नेताओं ने डबल इंजन की सरकार बनाने का आह्वान किया।

प्रदेश की जनता ने ठान लिया, राजस्थान में कमल खिलाना है

भाजपा के सदस्यता ग्रहण समारोह के दौरान चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि आज जिन तीन लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है, ये किशनगढ़ विधानसभा में अपना एक अलग वजूद रखते हैं। अजमेर के सांसद एवं किशनगढ़ से भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के समर्थन में इन तीनों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। हम इन सभी लोगों का भाजपा परिवार में अभिनंदन और स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा- प्रदेश की जनता ने ठान लिया है कि राजस्थान में कमल खिलाना है और डबल इंजन की सरकार बनानी है। देश और दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और विचारधारा के समर्थक बढ़ रहे हैं। देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों में विश्वास जता रही है। अजमेर सांसद एवं किशनगढ़ से भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रदेश में जो लूट और झूठ की सरकार है, इससे जनता पूरी तरह त्रस्त है। इस विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बना रही है।

कांग्रेस के कई बागी बीजेपी में शामिल

कांग्रेस के कई बागी नेताओं ने कुछ दिन पहले ही भाजपा का दामन थामा था। इनमें कई को तो टिकट भी मिल गया। इससे पहले कई नेताओं, विधायकों और पूर्व अधिकारियों को भाजपा की सदस्या ग्रहण की है। इनमें सबसे अहम नाम कांग्रेस नेता और जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, पूर्व विधायक चंद्रशेखर बैद और नंदलाल पूनिया का है। इनके अलावा पूर्व आईपीएस अधिकारी केशर सिंह शेखावत, भीम सिंह बीका और जेएनवी विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविन्द्र सिंह भाटी भी इस फेहरिस्त में शामिल हैं।

पांचवीं सूची के बाद कांग्रेस में भी सुनाई देने लगे बगावत के सुर

जिन्हें टिकट की उम्मीद नहीं, वे अब खुलकर खिलाफत पर उतरे

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस की ओर से जारी हुई पांच सूचियों में 156 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम सामने आने के बाद अब पार्टी में बगावत सुर सुनाई देने लगे हैं। वहीं समर्थकों में हंगामे का दौर शुरू हो गया है। इन सूचियों में जिनके टिकट कटे अब वे खुलकर खिलाफत पर उतर आए हैं।

वहीं जिन्हें आगामी सूचियों में टिकट मिलने की उम्मीद नहीं उनके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। जयपुर में पीसीसी कार्यालय के बाहर पांच सूचियों में भी हवामहल से विधायक और कांग्रेस सरकार में जलदाय मंत्री महेश जोशी का नाम सामने नहीं आने के बाद उनके समर्थकों ने हंगामा किया। वहीं शाहपुरा से पहुंचे आलोक बेनीवाल के समर्थकों ने भी टिकट की मांग को लेकर जयपुर में जमकर नारेबाजी की। उधर कठूमर विधायक बाबूलाल बैरवा और बाड़ी विधायक गिर्राज मलिंगा ने बगावती तेवर दिखाए।

टिकट कटने से नाराज विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने राजस्थान एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि पार्टी में डेमेज कंट्रोल करना आगामी दिनों में कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। टिकट कटने से नाराज दावेदार पार्टी के खिलाफ बगावती तेवर दिखा रहे हैं। वहीं अपने नेता को टिकट नहीं मिलने से समर्थकों में भी उबाल दिख रहा है।

जयपुर में जुटे जोशी-बेनीवाल के समर्थकों ने किया हंगामा

नुकसान भुगतने को तैयार रहें

वहीं जयपुर जिले की शाहपुरा विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक आलोक बेनीवाल इस बार कांग्रेस से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। जयपुर में मालवीय नगर स्थित बेनीवाल के आवास के बाहर बुधवार को सैकड़ों समर्थक एकत्रित हुए और बेनीवाल को कांग्रेस का टिकट देने की मांग उठाई। समर्थकों ने कहा कि बेनीवाल का शाहपुरा से टिकट काटा गया तो सभी कार्यकर्ता राजस्थान में कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करेंगे।

समर्थकों ने किया PCC का घेराव

पीसीसी मुख्यालय पर मंत्री महेश जोशी के समर्थकों ने बुधवार को जमकर हंगामा किया। समर्थक पीसीसी के गेट पर चढ़ गए और नारेबाजी करते हुए अपने नेता के लिए टिकट की मांग उठाई। सैकड़ों की संख्या में पीसीसी पहुंचे महेश जोशी के समर्थकों ने हाथों में तख्तियां लेकर घेराव किया। उनका कहा था कि अगर हवामहल से जोशी को टिकट नहीं दिया तो वह कांग्रेस को वोट नहीं देंगे। पांच लिस्ट जारी होने के बावजूद जोशी का नाम नहीं आने पर इन समर्थकों को अंदेशा था कि विधायक जोशी का टिकट काटा जा रहा है।

मल्लिकार्जुन खरगे को भेजा इस्तीफा

उधर टिकट कटने से नाराज होकर बसेड़ी विधायक खिलाड़ीलाल बैरवा ने अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया हैं। बताया जा रहा है कि बैरवा टिकट काटे जाने को लेकर सीएम अशोक गहलोत से नाराज हैं। इसलिए उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफे का पत्र भी सरकार की जगह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखा हैं। इस्तीफा देने पर बैरवा का कहना है कि मैं अपना इस्तीफा इसलिए दे रहा हूं, क्योंकि मैं मांगता रहा, लेकिन सीएम ने एससी आयोग को वैधानिक दर्जा नहीं दिया। मैं आलाकमान से अनुरोध करना चाहता हूं कि सरकार बने तो यह गारंटी जोड़ी जाए।

जयपुर में गरजे पवन खेडा

मोदी कांग्रेस से डरते हैं, इसलिए करते हैं ईडी को आगे

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कांग्रेस से डरते है, इसलिए वे ईडी को भेजते हैं। कभी सीडी, कभी ईडी। पहले चुनाव होता था तो प्रचार में मोदीजी आ जाते थे, अब उनसे काम चल नहीं रहा है तो अब ईडी जी आ जाते हैं। यह कहना है कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा का।

उन्होंने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि अब इस देश में नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट नहीं आती है। साथ ही आरोप लगाया कि यदि रिपोर्ट आती भी है, तो उसे लिखने वाले अंकेक्षक (ऑडिटर) का तबादला कर दिया जाता है। लोकपाल और सीएजी की रिपोर्ट को लेकर पवन खेड़ा ने कहा कि कहां है सीएजी? क्या होता है सीएजी रिपोर्ट का? 2015 में सीएजी की 55 रिपोर्ट आई थीं, लेकिन 2021 आते आते यह 14 रह गईं।

प्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हालिया कार्रवाइयों पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की 200 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है। इस बार कांग्रेस ने नारा दिया है 'काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से।' इस नारे में सब कुछ आ जाता है। उन्होंने कहा कि इसमें राज्य सरकार की योजनाएं और गारंटी भी शामिल हैं। वहीं विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के सहयोगी दलों के भी राज्य के विधानसभा चुनाव में अलग-अलग ताल ठोकने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव लड़ना सबका हक है और यह गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए है। उन्होंने कहा उससे पहले इंडिया में शामिल दल अगर विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं तो आजमाएं, उसमें क्या दिक्कत हैं।

भाजपा अपने बागियों को संभालें

कई नेताओं के टिकिट कटने पर बगाबती सुर और दल बदलने पर पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा में सबसे ज्यादा ये कलह हो रहा है। उन्हें अपना घर संभालना चाहिए। कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता समर्पित और सेवाभाव रखने वाला है। कुछ नाराजगी है तो घर में बैठकर सुलझा ली जाएगी।

लाइब्रेरी भवन में आग पर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

कांग्रेस सरकार के काले कारनामे छिपाने की है ये साजिश: भारद्वाज

बेधड़क | जयपुर

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि सचिवालय के लाइब्रेरी भवन में लगी आग कोई आकस्मिक घटना नहीं है, बल्कि यह कांग्रेस सरकार के काले कारनामे छिपाने की साजिश है। जहां आग लगी है वहां सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा का भी कमरा है और यहीं से राज्य सरकार के सोशल मीडिया का काम होता है। वहीं लोकेश शर्मा टेलीफोन टेप मामले में फंसे हुए हैं। ऐसे में उनके कार्यालय में आग की पलटे लोकेश शर्मा तक पहुंचती दिखाई दे रही हैं। इस पूरे मामले को लेकर भाजपा चुनाव आयोग को भी शिकायत दर्ज करवाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार की खराब छवि को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करोड़ों रुपए का ठेका एक निजी कंपनी को दिया था।

भारद्वाज ने कहा कि इतना ही नहीं, आग भी इतनी तेज लगी कि इसकी चपेट में आने से कई डिवाइस और सॉफ्टवेयर भी जल कर राख हो गए। इनमें राज्य सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कई राज भी छिपे थे। आग लगने के बाद लाखों रुपए की सरकारी संपत्ति जल कर राख हो गई, लेकिन सचिवालय की ओर से दमकल को नहीं बुलाया गया।

ऑयल मिल का बताया पैसा, लेकिन नहीं दे पाए सबूत

रेल से बरामद की 95 लाख की नकदी

बेधड़क | जयपुर

राज्य विधानसभा चुनावों में नकदी की आवाजाही पर नजर रख रही राज्य और केन्द्र सरकार की एजेंसियों की सक्रियता के बावजूद नकदी का आवागमन थम नहीं रहा।

आयकर विभाग ने रेलवे पुलिस के सहयोग से मंगलवार देर रात जोधपुर-जैसलमेर ट्रेन में जा रही 95 लाख रुपए की नकदी को जब्त कर केन्द्र सरकार की एजेंसियों की सक्रियता का प्रमाण दिया है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जोधपुर-जैसलमेर ट्रेन में सवार एक यात्री के हावभाव से संदिग्ध प्रतीत हो रहे एक यात्री के सामान की रेलवे पुलिस ने तिवरी-ओसिया के पास जांच की तो यह नकदी मिली। पूछताछ में रेल यात्री ने बताया कि यह पैसा जोधपुर की एक ऑयल मिल का है, जो किसानों को भुगतान के लिए ले जाया जा रहा है, लेकिन रेल यात्री इस बारे में कोई प्रमाण पुलिस को पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस उसे जोधपुर लेकर आई और आयकर अधिकारियों को सूचित किया।

जोधपुर में आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा के उप निदेशक भवानी शंकर माथुर के नेतृत्व में रेल यात्री से पूछताछ की गई, लेकिन प्रमाण के अभाव में इस नकदी को जब्त कर लिया गया है। आयकर विभाग अब आयकर कानून की व्यवस्थाओं के अनुसार नकदी ले जा रहे आरोपी रेल यात्री के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगा।

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023

तीसरे दिन 51 प्रत्याशियों ने भरे 60 पर्चे, अब तक आए 106 आवेदन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर चुनावी मैदान में मोहरे सामने आने लगे हैं। चुनाव को लेकर भरे जा रहे नामांकन के तीसरे दिन बुधवार को राज्य में 46 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 51 उम्मीदवारों ने 60 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

तीन दिन में अब तक कुल प्रदेश में 90 प्रत्याशियों ने 106 नामांकन पत्र भरे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 13 उम्मीदवारों ने भी नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। आपराधिक रिकॉर्ड वाले इन उम्मीदवारों को सी-1 फॉर्म भरना होगा और अपराध की जानकारी समाचार पत्र व टीवी चैनल्स के माध्यम से तीन बार प्रकाशित-प्रसारित कर सार्वजनिक करनी होगी। जयपुर जिले की कुल 19 विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन का दौर शुरू होने के बाद सबसे ज्यादा बुधवार को मिले। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि बुधवार को जिले के 5 विधानसभा क्षेत्रों में 5 प्रत्याशियों ने कुल 7 नामांकन पत्र जमा करवाए। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी बबीता वाधवानी, बस्सी विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी अंजु देवी धानका ने नामांकन पत्र जमा करवाए तो वहीं झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी प्रवीण कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

भाजपा प्रत्याशी दीया ने भरा नामांकन

वहीं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी ने दो नामांकन पत्र जमा करवाए। सैकड़ों समर्थकों के साथ दीया कलेक्ट्रेट पहुंचीं। वहीं आमेर विधानसभा क्षेत्र में कालुराम बावरिया ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी एवं निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर दो नामांकन पत्र जमा करवाए। अभी तक जयपुर जिले की 9 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 11 प्रत्याशियों ने 14 नामांकन किए हैं। इनमें बुधवार को 5 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे।

फॉर्म भरने के चार दिन बाकी

निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नामांकन पत्र भरने के लिए 6 नवम्बर आखिरी तारीख हैं। अब 4 दिन शेष हैं। 5 नवम्बर को रविवार के दिन नामांकन पत्र दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। बुधवार को श्रीगंगानगर, रायसिंहनगर, भादरा, बीकानेर पूर्व, डूंगरगढ़, नोखा, सुजानगढ़, मंडावा, नवलगढ़, झोटवाड़ा, आमेर, विद्याधर नगर, सांगानेर, बस्सी, तिजारा, किशनगढ़ बास, थानागाजी, अलवर शहरी, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, भरतपुर, नदबई, बसेड़ी, टोडाभीम, बांदीकुई, टोंक, किशनगढ़, डेगाना, बाली, सुमेरपुर, फलौदी, पोकरण, सिरोही, खेरवाड़ा, वल्लभनगर, डूंगरपुर, घाटोल, कुशलगढ़, बेगूं, निम्बाहेड़ा, राजसमंद, नाथद्वारा, जहाजपुर, सांगोद, कोटा दक्षिण, लाडपुरा और अंता विधानसभा क्षेत्रों में कुल 60 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

राजनीतिक दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर स्लॉट आवंटित

चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों को प्रचार के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी पर 630 मिनट का समय आवंटित किया गया है। इसके लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बुधवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्लॉट आवंटन लॉटरी निकाली गई। कांग्रेस को 189 मिनट, भाजपा को 187 मिनट, बसपा को 60 मिनट, आरएलपी को 54 मिनट, माकपा को 49 मिनट, आम आदमी पार्टी को 46 मिनट और एनपीपी को 45 मिनट का समय आवंटित किया गया है।

जरूरी खबर

भ्रष्टाचार सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में बुधवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी ने रहें। निदेशक पाढ़ी ने कहा कि भ्रष्टाचार हमारे देश की आर्थिक, सामाजिक एवं स्थायी प्रगति के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक कार्यों में पारदर्शिता और अनुशासन के साथ काम करने की आवश्यकता हैं। संस्थान में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में सीवीओ प्रो. गोविंद शरण डंगायच ने पीपीटी से भ्रष्टाचार मिटाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग के उपायों और विभिन्न प्रयोगों को प्रस्तुत किया।

गुवाहाटी-उदयपुर रेल संचालन की अवधि बढ़ाई

जयपुर। रेलवे प्रशासन की ओर से अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए गुवाहाटी-उदयपुर सिटी-गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में विस्तार किया है। साथ ही गुवाहाटी-उदयपुर सिटी रेलसवा का कानपुर सेट्रल से भरतपुर के मध्य स्टेशनों पर संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। यह ट्रेनें जयपुर जंक्शन व गांधी नगर होकर भी गुजरती हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 05616/05615, गुवाहाटी-उदयपुर सिटी-गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में गुवाहाटी से 05.11.23 से 26.11.23 तक एवं उदयपुर सिटी से 08.11.23 से 29.11.23 तक (04 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है।

खादी की एक महीने में 30 करोड़ की बिक्री, गांधी जयंती पर 5 करोड़ का कारोबार

चुनाव आए तो बाजार में बढ़ गई 'नेताजी वाली ड्रेस' की डिमांड

बजरंग बुनकर | बेधड़क

जयपुर। देश को आजादी दिलाने में मिशन के रूप में काम करने वाली खादी अब फैशन का रूप धारण कर चुकी है। आधुनिकता की दौड़ में खादी ब्रांड अन्य प्रोडक्टों को कड़ी टक्कर दे रहा है। इस समय चल रहे चुनावी व मौसम में तो खादी नेताओं की खास पसंद बन रहा है। शहर के अधिकांश खादी के शोरूमों में खादी खरीदने वाले की भीड़ लग रही है।

वहीं, खादी को बढ़ावा देने के लिए भी खादी संस्थाओं की ओर से भी विशेष ऑफर दिए जा रहे हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो खादी और ग्रामोद्योग आयोग के एक महीने तक चले खादी महोत्सव में प्रदेश में 30 करोड़ लगभग की खादी प्रोडक्ट की बिक्री हुई है। गांधी जयंती पर 5 करोड़ की खादी सामान की बिक्री हुई है। प्रदेश में खादी के 404 खादी आउटलेट पर खादी के सामग्री बेची जा रही है। बजाज नगर स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में हर दिन एक से डेढ़ लाख रुपए की खादी व ग्रामोद्योग सामान की बिक्री की जा रही है। इनमें खादी के कपड़े, दरी, शॉल, बेडसीट, जैकेट, साड़ियां व कंबल, उनी कपड़े आदि खादी सामान शामिल है।

"खादी व ग्रामोद्योग प्रोडक्ट की तरफ आमजन का पिछले सालों से लगातार रूझान बढ़ा है। इससे जहां लोगों को गुणवत्ता पूर्ण सामग्री मिल रही है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साधनों में बढ़ोतरी हो रही है। आयोग इसके लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

डॉ. राहुल मिश्र, राज्य निदेशक, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर

कुर्ता-पायजामे की डिमांड बढ़ी

चुनाव आते ही खादी का चलन एकाएक बढ़ गया है। शोरूमों पर नेताजी व पार्टी कार्यकर्ता खादी के कुर्ता पायजामों के कपड़ों की खरीदारी कर रहे हैं। वहीं इस खरीदारी से खादी संघों को वित्तीय संबल मिल रहा है।

रोजगार को बढ़ावा

खादी प्रोडक्ट के बढ़े चलन से गांव-ढ़ाणियों में रोजगार के साधन बढ़ रहे हैं। कतिनों व बुनकरों को रोजगार के साधन बढ़ रहे हैं। नई-नई खादी यूनिटों की स्थापना हो रही है। फैशन डिजाइनइर की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स भी खादी संघों से जुड़कर खादी को बढ़ाने में भूमिका निभा रहे हैं।

सभी को भा रही है खादी

बदलते दौर में भी खादी सामग्री यूथ व प्रोफेशनल्स की पसंद बनता जा रहा है। खादी शोरूमों में यूथ व प्रोफेशनल्स खादी कपड़े खरीदने आ रहे हैं। इनका मानना है कि खादी के कपड़े पहनने में आरामदायक है और क्वालिटी भी अच्छी रहती है। साथ ही स्वदेशी सामान को बढ़ावा मिल रहा है। झालाना डूंगरी स्थित खादी ग्रामाद्योग आयोग के खादी लाउंज में खरीदारी कर रहे मनीष, रमेश यादव, संदीप, रजनीकांत ने यह सब बताया। राज्य खादी संघों के शोरूमों में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती से खादी कपड़ों पर 50 प्रतिशत की छूट मिल रही है। यह छूट गांधी शहीद दिवस 30 जनवरी तक चलेगी। वहीं खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से खादी को बढ़ावा देने के लिए खादी महोत्सव चलाया जा रहा है।

चोरी के वाहनों से वारदात पर अंकुश के लिए पुलिस का एक्शन प्लान

बिना सूचना के वाहन खरीदे-बेचे तो एजेंट पर होगी F.I.R.

बेधड़क | जयपुर

चोरी के वाहनों से अपराधिक वारदातें करने वाले बदमाशों पर अंकुश लगाने के लिए अब शहर में चल रहे पुराने वाहनों के कार बाजारों पर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने तैयारी कर ली है। पुलिस ने एक गोपनीय सर्वे कराया है, जिसमें सामने आया कि कार बाजार के नाम से चल रहे पुराने वाहनों के शोरूमों पर चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त हो रही है। ऐसे में बदमाश वहां से बिना किसी दस्तावेज वाहन खरीदन कर वारदातों को अंजाम दे रहे है।

पुलिस ने कार बाजार संचालकों को आदेश दिए हैं कि उनके शोरूम पर खरीद-फरोख्त के लिए आने वाले वाहन की सूचना परिवहन विभाग को देनी पड़ेगी। अगर निरीक्षण के दौरान शोरूम पर बिना सूचना वाहन की खरीद-फरोख्त की भनक लगी तो संबंधित थाने की पुलिस आईपीसी की धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई करेगी। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने थाना प्रभारियों को उनके इलाके में चल रहे पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त शोरूम संचालकों से आदेशों की पालना कराने के निर्देश दिए हैं।

इन आदेशों की पालना करनी पड़ेगी

- आदेशों के अनुसार कार बाजार संचालक को वाहन विक्रेता व खरीदार का रिकॉर्ड रजिस्टर में रखना पड़ेगा। इसके अलावा दोनों के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रति भी लेनी पड़ेगी।
- संचालकों द्वारा दस्तावेजों की पूरी पूर्ती नहीं की जा रही है। ऐसे में विक्रेता व खरीदार के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रति लेने के साथ में फार्म 29 व 30 की पूर्ति करनी पड़ेगी।
- लेन-देन की तारीख, वाहन के हस्तांतरण से पहले वाहनों के ट्रांसफर रिकॉर्ड, ट्रांसफर अथोरिटी व मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 50 के प्रावधानों की पालना करनी पड़ेगी।
- शोरूम पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाने पड़ेगे। ताकि पुलिस वहां पर खरीद-फरोख्त करने वाले लोगों की पहचान कर सके।

छह माह तक की हो सकती है सजा

आईपीसी की धारा 188 के तहत सजा के तहत अगर सरकार के आदेश का उल्लंघन किए जाने से मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा, आदि को खतरा होता है तो कम से कम 6 महीने की जेल या 1000 रुपए जुर्माना हो सकता है। आरोपी को दोनों सजा भी दी जा सकती है।

सभी थाना अधिकारियों को किया सूचित

"आदेश जारी करके सभी थाना प्रभारियों को उनके इलाकों में पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त करने वाले शोरूम संचालकों की जांच के निर्देश दिए है। ऐसे शोरूम पर चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त होने की संभावना है।।

कुंवर राष्ट्रदीप, एडिशनल पुलिस कमिश्नर, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्रवाई

दो बीघा भूमि पर बने दस अवैध विलाज ध्वस्त किए

बेधड़क| जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-आठ के हाज्यावाला में निजी खातेदारी की करीब दो बीघा कृषि भूमि पर बन रहे निर्माणाधीन 10 अवैध विलाज को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही सुओमोटो के तहत सांगानेर के सुन्दर नगर में आम रास्ते-रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-आठ के हाज्यावाला के स्वर्ण विहार में दो बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना अनुमति और स्वीकृति के बिना भू-रूपान्तरण के गणपति नगर के नाम से 10 अवैध विलाज सहित अन्य अवैध निर्माण कर कॉलोनी बसाई जा रही थी, जिसे ध्वस्त कर दिया। वहीं सुओमोटो के तहत जोन-आठ के श्रृंगारपुरा, सांगानेर में सुन्दर नगर में डामर रोड़ पर ही सीमेन्ट के ब्लॉक से दिवार बनाकर आम रास्ता अवरूद्ध करने पर प्रवर्तन दस्ते ने ध्वस्त कर दिया।

सचिवालय में लगी आग कम्प्यूटर उपकरण जले

बेधड़क | जयपुर

शासन सचिवालय के लाइब्रेरी भवन की चौथी मंजिल पर बुधवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बंद ऑफिस से धुआं आने पर सुरक्षाकर्मियों ने अपने स्तर पर तत्काल आग पर काबू पा लिया। हालांकि, जब तक आग कंट्रोल हुई, तब तक ऑफिस में रखा फर्नीचर, कम्प्यूटर और किताबें जलकर राख हो गई। आग लगने वाले कमरे में सरकार की ट्वीटर हैंडल और सोशल मीडिया टीम काम करती है। आग की चपेट में आने से कई डिवाइस और सॉफ्टवेयर भी जलकर राख हो गए है। आग लगने के बारे में सचिवालय के सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

सस्ते दाम में प्याज बेच रही फेडरेशन

बाजार में 70, वैन पर 25 में प्याज

बेधड़क| जयपुर

प्रदेश में प्याज के बढ़ते दातों के बीच राहत भरी खबर आई है। भारत सरकार की संस्था नेशनल को-ऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया शहर के इलाकों में सस्ते दाम पर प्याज बेच रही है। फेडरेशन 24 मोबाइल वैन के जरिए लोगों को सस्ते प्याज उपलब्ध करा रहा है। एनसीसीएफ के जयपुर शाखा प्रबंधक राकेश भूरिया ने बताया कि संस्था की ओर से शहर में कई लोकेशन पर प्याज बेच रहे हैं।

बाजार में जो प्याज 60 से 70 रुपए किलो बिक रहा है, वहीं प्याज वैन पर 25 रुपए किलो में मिल रहा है। इसके लिए रोजाना 60 मीट्रिक टन प्याज आ रहा है, जिसे मुहाना मंडी के व्यापारी के अलावा वीकेआई स्थित गोदाम पर स्टोर करके रखा जा रहा है। वहीं, विभाग के आदेश के अनुसार एक व्यक्ति को पांच किलो तक प्याज दिया जा रहा है। वहीं, प्याज बेचने के लिए लगी वैन के पास प्याज खरीदने के लिए लोग लम्बी-लम्बी लाइनें बना कर खरीद रहे है।

वीसी से हुई प्रदेश स्तरीय बैठक

पुस्तकालयों में मिले पाठकों को सुविधा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में राज्य, मंडल और जिला स्तर पर संचालित राजकीय सार्वजनिक पुस्तकालयों की प्रगति की समीक्षा बैठक स्कूल शिक्षा तथा भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव नवीन जैन की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई।

शासन सचिव जैन ने वीसी के दौरान डॉ. राधाकृष्णन स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी को मॉडल लाइब्रेरी के रूप में विकसित करते हुए इसमें डिजिटल संसाधनों विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बारे में अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने वीसी में प्रदेश के 47 राजकीय सार्वजनिक पुस्तकालयों के प्रभारियों से उनके यहां सदस्यों की संख्या और पाठकों की सुविधा की स्थिति के बारे में भी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी की दैनिक गतिविधियों के संचालन में उनकी सेवाओं का पूरा उपयोग लिया जाए।

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कई पुस्तकालयों में कार्मिकों के रिक्त पदों के विरूद्ध शिक्षा विभाग के साथ समन्वय से व्यवस्था करते हुए नियमित गतिविधियों का सुचारू संचालन किया जा रहा है। वीसी में भाषा और पुस्तकालय विभाग के निदेशक महेंद्र खींची और ओएसडी डॉ. पूनम गुप्ता के अलावा अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चुनावों में उतरी जेसीबी मचा रही धूम, किराया छह हजार रुपए प्रतिदिन

बुलडोजर रैली से दिखा रहे दम, रैलियों में नेताओं की बन रही पहली पंसद

बेधड़क | जयपुर

चुनाव शुरू होते ही सड़कों पर वाहनों का लम्बा काफिला हर जगह देखने को मिल ही जाता है। प्रत्याशी माहौल अपने पक्ष में दिखाने के लिए हर सम्भव प्रयास में लग गए है। वैसे कार और दुपहिया वाहनों का काफिला तो हर चुनावों में दिख जाता है लेकिन इस बार यूपी की तर्ज पर बुलडोजर ने भी प्रदेश के चुनावों में एंट्री ले ली है।

चुनाव जीतने के लिए अपना दमखम दिखा रहे प्रत्याशी जेसीबी को अपनी शान समझ रहे हैं। चाहे नामांकन रैली हो, या जनसम्पर्क, सभी जगहों पर जनप्रतिनिधि जेसीबी को अपने वाहनों में शामिल कर रहे हैं। पिछले दो-तीन दिन में ही बुलडोजर की डिमांड इतनी बढ़ गई है कि अब नेताओं को शहर में बुलडोजर वेटिंग पर मिल रहा है। वहीं एक दम से डिमांड बढ़ने से जेसीबी कॉटेक्टर्स ने भी बाहरी क्षेत्रों से जेसीबी मशीन मंगानी शुरू कर दी है।

एक घंटे से लेकर दिन भर तक का अलग रेट

चुनावों में जेसीबी की बढ़ती डिमांड पर इसके किराए में भी इजाफा कर दिया है। आमतौर पर जहां डबल स्टेयरिंग की बेकीहाउ लोडर्स जेसीबी सात सौ रुपए प्रति घंटे में मिल जाती थी, वह अब एक हजार रुपए से 1500 रुपए तक प्रतिघंटे में किराए से मिल रही है। दिन भर का छह हजार रूपए से नौ हजार रुपए तक का किराया लिया जा रहा है। इसके अलावा टेलहेंडलर्स जेसीबी का किराया दो हजार रुपए प्रति घंटे से हिसाब से लिया जा रहा है। शहर के जेसीबी कांटेक्टर्स ने बताया कि चुनावों में जेसीबी का चलन बढ़ने से जिले से बाहर से भी बुल्डोजर मंगाया जा रहा है। कांटेक्टर्स शहर के अलावा झुंझूनु, सीकर, हरियाणा और यूपी से बुल्डोजर मंगवा रहे है।

यूपी से मिली पहचान अब राजस्थान में दिखा रही दम

राजस्थान में राजनीति से जुड़े लोगों ने बताया कि पहले चुनावों में प्रदेश में जेसीबी का कोई राजनेता उपयोग नहीं करता था, लेकिन बदलते समय के साथ सबसे पहले बुल्डोजर को पहचान उत्तर प्रदेश से मिली, जिस तरह यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले तो अपराधियों के घरों को ढहाने में बुलडोजर का इस्तेमाल किया। फिर चुनावों में भी बुलडोजर से प्रचार कर सत्ता हासिल की, इसके बाद से बाकि राज्यों में भी बुल्डोजर को चुनावी स्टंट के रूप में देखा जाने लग गया। अब अन्य नेताओं को भी यह महसूस हो गया कि बुलडोजर सिर्फ घर ढहाने के काम ही नहीं आता है, बल्कि इससे सरकार भी बनाई जा सकती है।वैसे यह बुलडोजर मॉडल उत्तर प्रदेश या राजस्थान ही नहीं पूरे देश में लोकप्रिय हो चुका है।

फूल बरसाने से मंच बनाने तक का काम कर रही जेसीबी

अपनी नामांकन रैली में जेसीबी लेकर पहुंचे एक उम्मीदवार ने बताया कि आमतौर पर चुनाव रैली में कार और बाइक रैली का आयोजन होता है, लेकिन इस बार जेसीबी का भी क्रेज चल गया है। मेरे एक समर्थक ने बुल्डोजर को बुक करा दिया। वैसे बुल्डोजर से फूल बरसाने का चलन हो गया है। इसके अलावा रैली दौरान सभा करने के लिए भी बुल्डोजर काम आ जाता है। वहीं जेसीबी की बढ़ती डिमाण्ड के बीच कई प्रत्याशियों ने आगे प्रचार के लिए एडवांस में ही बुकिंग करानी शुरू कर दी है। जिसमें प्रत्याशियों को एक से दो दिन का समय दिया जा रहा है। वहीं शाम को छह बजे से आठ बजे तक के समय को पीक टाइम मान कर अतिरिक्त चार्ज भी लिया जा रहा है।

जरूरी खबर

सचिन पायलट ने लिया कृष्णा सिंहल से आशीर्वाद

टोंक। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक से कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट ने बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लेखक दिवंगत हनुमान सिंहल की पत्नी कृष्णा सिंहल से आशीर्वाद लेकर अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर सिंहल परिवार ने सचिन पायलट का ढोल-नगाड़ों की धुन के बीच गर्मजोशी से स्वागत किया। पायलट ने सिंहल फैमिली के साथ काफी वक्त बिताया और विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा की।

खेत में सो रहे किसान से मारपीट कर छीनी नकदी

सीकर। जिले में खेत में सो रहे किसान से मारपीट कर रुपए लूटने का मामला सामने आया है। किसान पर बदमाशों ने लाठी-डंडों से हमला बोलते हुए हजारों का कैश छीन लिया और फरार हो गए। मामला सीकर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस को दी रिपोर्ट में धोद के रहने वाले भंवरलाल (45) ने बताया कि वह अपने खेत में फसल की रखवाली करने के लिए गया था। इस दौरान गाड़ी से आए नेमीचंद, मनोज, अशोक व ताराचंद उसके खेत का गेट तोड़कर अंदर घुस गए और उसे खाट से गिरा दिया। इसके बाद बदमाशों ने लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की और 18 हजार 200 रुपए लिए। बाद में आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

बीस हजार की घूस लेते एएसआई को दबोचा

भरतपुर। डीग जिले के कैथवाड़ा थाना इलाके में एसीबी टीम ने घूसखोर एएसआई को पकड़ा है। टीम ने उसे 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी एएसआई ने एफआईआर से एक लड़की का नाम निकालने की एवज में घूस मांगी थी। जिला एसीबी को परिवादी ने शिकायत की थी की, उनके खिलाफ कैथवाड़ा थाने में फर्जकारी का मामला दर्ज है। इसमें उनकी भतीजी का नाम भी है। एएसआई विश्वामित्र भतीजी का नाम हटाने की एवज में 20 हजार की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने आरोपी को दबोच लिया।

पुष्कर मेले का कार्यक्रम जारी: 14 से 27 नवंबर तक होंगे कई आयोजन, पशु प्रतियोगिताएं रहेंगी आकर्षण का केंद्र

राजस्थानी कला और संस्कृति के रंगों से गुलजार होगा माहौल

बेधड़क | अजमेर

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला इस बार 14 से 27 नवंबर तक आयोजित होगा। बुधवार को मेला समिति की ओर से मेले कार्यक्रम घोषित किया।

चुनाव के कारण मेले की अवधि को प्रशासन ने कार्मिको की कमी का हवाला देते हुए कम कर दिया था, लेकिन बाद में पुष्कर में पर्यटन उद्योग से जुड़े व्यापारियों के विरोध के बाद प्रशासन ने परंपरागत रूप से ही निश्चित अवधि के दौरान भरने वाले पुष्कर मेले की अनुमति दे दी है। बुधवार को प्रशासन ने पुष्कर मेले का कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि मेला कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा यानी 14 से 27 नवंबर तक आयोजित रहेगा। मेला कार्यक्रम के अनुसार 14 नवंबर को मेले स्थल पर ध्वजारोहण किया जाएगा।

वहीं 16 नवंबर को कार्तिक शुक्ल तृतीया पर पशु मेले के लिए चौकियों की स्थापना होगी। 18 नवंबर को कार्तिक शुक्ल पंचमी को पुष्कर के मेला ग्राउंड में ध्वजारोहण होगा। इस दिन से ही पशुपालन विभाग की ओर से पशुपालकों के लिए सफेद चिट्ठी दी जाएगी। 19 नवंबर को कार्तिक शुक्ल षष्ठी पर मेले में आने वाले पशु की खरीद पर रवन्ना और गीर गाय की प्रदर्शनी होगी। इसके अलावा पशु प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। 23 नवंबर के दिन मेला ग्राउंड पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दिन भी पशु प्रतियोगिताएं होंगी। 27 नवंबर को मेले के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा।

मेले में पशुओं की बड़ी संख्या में होती है खरीद फरोख्त

पुष्कर पशु मेले में ऊंट, घोड़े, गधे, बकरी, भैंस और गोवंश आते हैं। इनमें ऊंट और घोड़े की संख्या ज्यादा होती है। देश के कोने-कोने से पशुपालक अपने पशुओं को पुष्कर पशु मेले में लेकर आते हैं। तीर्थराज पुष्कर सभी तीर्थ का गुरु है। यहां विश्व का इकलौता जगत पिता ब्रह्मा का मंदिर है। यही वजह है कि सदियों से तीर्थ यात्री पुष्कर आते रहे हैं। तीर्थ यात्री अपने साथ पशु भी लाया करते थे। उस दौर में पशु ही धन हुआ करता था। ऐसे में पशुओं की खरीद-फरोख्त पुष्कर में होने लगी। तब से पुष्कर में धार्मिक मेले के साथ पशु मेला भी आयोजित होने लगा।

पर्यटकों के लिए खास आकर्षण

पुष्कर मेला केवल पशु व्यापार और ऊंट प्रतियोगिता के लिए ही नहीं है, बल्कि जिज्ञासु पर्यटकों के लिए राजस्थान की विविध रंगीन कलाओं को जानने का अवसर भी है। यहां प्रदर्शित कलाकृतियों में मवेशियों के आभूषण जैसे काठी, मोती, डोरी, कौड़ी और काठी-पट्टियां शामिल हैं। कुछ प्रमुख आकर्षण नागौर के मनके हार और चांदी के आभूषण और अजमेरी प्रिंट के वस्त्र, पेच वर्क के साथ-साथ टाई और डाई कपड़े माने जाते हैं। मेले में आने वाले विदेशी पर्यटक भारत की ग्रामीण संस्कृति को देखकर रोमांचित हो उठते हैं। परंपरागत परिधानों में सजे कलाकारों की प्रस्तुतियां पर्यटकों को आनंदित कर देती है। वहीं में रस्साकशी, मटका दौड़, चेयर दौड़ सहित कई खेले भी पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहते हैं।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने गहलोत सरकार पर बोला तीखा हमला

'राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को कलंकित कर रही कांग्रेस'

योगी आदित्यनाथ ने तिजारा में जनसभा को किया संबोधित

बेधड़क | अलवर

जिले में भाजपा सांसद बाबा बालकनाथ ने बुधवार को तिजारा विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। इससे पूर्व आयोजित हुई सभा में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहलोत सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान की धरती हमारे लिए पुण्य की धरती है। इसका अपना गौरवशाली इतिहास रहा है, लेकिन कांग्रेस इस इतिहास को कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। देश में कांग्रेस का नाम ही समस्या है और देश की सारी समस्याएं कांग्रेस की देन है। सीएम योगी ने उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि कन्हैया लाल की हत्या यूपी में हुई होती तो आप सबको पता है कि क्या होता? हमने यूपी में अपराध को पूरी तरह खत्म कर दिया है। सीएम योगी ने कहा, 'तालिबान का उपचार तो बजरंग बली की गदा ही है। देख रहे हैं न इस समय गाजा में इजराइल, तालिबानी मानसिकता को कैसे कुचलने का काम कर रहा है?' उन्होंने कहा कि अराजकता, आतंकवाद व गुंडागर्दी सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ा कलंक है।

गो तस्करों का किया जा रहा महिमा मंडन आश्रमों पर चल रहे हैं बुलडोजर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा एक तरफ आप गोतस्करों का महिमा मंडन करते हैं और संतों के आश्रम पर बुलडोजर चला रहे हैं। यहां बेटियों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन यूपी में किसी गुंडे की हिम्मत नहीं की बेटी की तरफ देख भी ले। बेटी की सुरक्षा है तो संतों का सम्मान भी है। उत्तरप्रदेश की 25 करोड़ की आबादी है। हमने गोमाता को लंपी बीमारी से भी बचाया है तो बूचड़खानों से भी बचाया है। मैंने सुना है कि तिजारा में जिसको प्रत्याशी बनाया है, वो अपने नाम के आगे बड़ी-बड़ी उपमाएं लगाता है, लेकिन अराजकता का इलाज तो हनुमानजी की गदा में ही है।

प्राचीन शिव मंदिर को तोड़कर सरकार ने किया घोर अपराध

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजगढ़ में 300 साल पुराना शिव मंदिर तोड़ कर सरकार ने घोर अपराध किया किया है। किसानों से झूठ बोलकर बनी सरकार को जनता इस बार बर्दाश्त नहीं करेगी। इस बार भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में पूरा माहौल बन रहा है। उन्होंने कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस दोबारा आती है तो एक बार फिर तालिबानी सरकार को आपको सहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में राम राज्य की परिकल्पना को साकार किया जाए और बहन-बेटियों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। एक ऐसा राजस्थान बने जहां बेटियां अपने आप को सुरक्षित समझें। उन्होंने कहा कि बुलडोजर दुष्टों का उपचार है तो विकास का काम भी इसी से होता है।

जहां डबल इंजन सरकार, वहां सुरक्षा और विकास

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में जहां-जहां भाजपा की डबल इंजन की सरकार है, वहां सुरक्षा और विकास दोनों है। पीएम मोदी ने जो कहा, वो करकर दिखा दिया है। वो देश को नई ऊचाइयों पर लेकर गए हैं। यूपी में डबल इंजन की सरकार है, वहां हमने 10 करोड़ लोगों को फ्री चिकित्सा का बीमा दे रखा है और सभी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है। मैं कांग्रेस सरकार से पूछना चाहता हूं कि राजस्थान कहां है? राजस्थान का पैसा प्रदेश के लोगों के काम ही नहीं आ रहा है।

धीरदेसर चोटियान गांव में हादसा

दोहिते को लेकर नानी डिग्गी में कूदी, बचाने आई बेटी की भी मौत

बेधड़क | बीकानेर

जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। घटना धीरदेसर चोटियान गांव की है। यहां एक महिला अपने दोहिते के साथ पानी की डिग्गी में कूद गई। ये दोनों पानी में डूबने लगे तो बेटी इनको बचाने के लिए डिग्गी में कूदी, लेकिन वह बचा नहीं सकी। इसके चलते डूबने से तीनों की मौत हो गई।

हादसे के बाद मृतकों के शव श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए। टियान गांव के गौरीशंकर जाट ने पुलिस को बताया कि उसकी मां परमादेवी जाट पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से बीमार थी। ननिहाल आए हुए दो साल के भांजे विशाल को लेकर मंगलवार देर रात कुंड में छलांग लगा दी। बच्चे के रोने की आवाज आई तो बच्चे की मां राजूदेवी भी पीछे दौड़ी। तब तक नानी अपने दोहिते के साथ डिग्गी में कूद चुकी थी।

राजू देवी ने भी दोनों को बचाने के लिए डिग्गी में कूदी, लेकिन वो भी डूब गई। तीनों के शव बुधवार सुबह डिग्गी में तैरते मिले। 22 वर्षीय राजूदेवी पुत्री नानूराम, 45 वर्षीय परमादेवी पत्नी नानूराम तथा राजूदेवी का दो साल के बेटा विशाल का शव श्रीडूंगरगढ़ की मोर्चरी में रखे गए हैं। पुलिस का मानना है कि प्रथम दृष्ट्या ये मामला सुसाइड का लगता है। इसी आधार पर तीनों का पोस्टमार्टम किया गया है और मर्ग दर्ज की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आए दिन हो रहे हादसों पर व्यापारियों ने जताई नाराजगी

टूटी सड़कों को लेकर फूटा गुस्सा

बेधड़क | अजमेर

क्षेत्र की टूटी सड़कों पर आए दिन हो रहे हादसों को लेकर बुधवार को आगरा गेट के व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों ने बाजार में क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर नाराजगी जताते हुए पार्षद और प्रशासन पर भी कई तरह के आरोप लगाए।

व्यापारियों ने दीपावली त्योहार को देखते हुए जल्द ही सड़क को दुरुस्त बनवाने की मांग की है। बुधवार को आगरा गेट बालाजी मंदिर के पास आगरा गेट व्यापार संघ के अध्यक्ष सुरेश तंबोली के नेतृत्व में व्यापारी एकत्र हुए और स्थानीय पार्षद सहित नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। अध्यक्ष सुरेश तंबोली ने बताया कि बाजार में लंबे समय से सड़क क्षतिग्रस्त हुई पड़ी है। इसके चलते आए दिन बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं हादसे का शिकार हो रहे हैं, लेकिन पार्षद और नगर निगम इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा।

अध्यक्ष ने बताया कि 2 महीने हो गए सड़क सेंशन हुए, लेकिन निगम प्रशासन आचार संहिता का हवाला दे रहा है। दिवाली के चलते बाजार में भीड़ हो रही है। आमजन को टूटी सड़क के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी राजेंद्र कुमार जैन ने बताया कि सड़क टूटी होने के कारण बाजार में जाम की स्थिति बन जाती है।

नगर निगम परिसर में होने वाले मेले में आयोजित किए जाएंगे कई कार्यक्रम

उदयपुर में दीपावली मेले का आगाज आज से

बेधड़क | उदयपुर

जिले में नगर निगम की ओर से निगम परिसर में दीपावली मेले का शुभारंभ गुरुवार से होगा। आठ नवंबर तक चलने वाले मेले में अनेक कार्यक्रम होंगे।

आयोजन को लेकर निगम कमिश्नर वासुदेव मालावत ने बताया कि मेले में पहले 2 दिन स्थानीय कलाकारों प्रस्तुति होंगी। इसके बाद 4 नवंबर को सिंगर नाइट होगी। इसमें अंजुषा शर्मा और जॉली मुखर्जी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं 5 नवंबर को भजन और गजल नाइट में पूजा नथानी और अंतुल पंडित प्रस्तुति देंगे। 6 नवंबर को लाफ्टर नाइट होगी। इसमें हास्य कलाकार वीआईपी, दीपक राजा और राजा रेंचों उदयपुर वासियों को गुदगुदाएंगे। मेले में 7 नवंबर को डांस नाइट में डांस इंडिया डांस फेम सुशांत खत्री का कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए चयन किया गया है। वहीं 8 नवंबर को कवि सम्मेलन होगा, जिसमें कई नामचीन कवि अपनी रचनाएं पेश करेंगे।

मेले के लिए निगम परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और एलईडी लाइट से सजाया गया है। कमिश्नर मालावत ने बताया कि 16 नवंबर तक निगम परिसर में मेला चलेगा। जिसमें विभिन्न साजो सामान की स्टॉल्स लगाई गई हैं। साथ ही शहरवासी मेले में चकरी-डोलर का भी लुत्फ उठा पाएंगे। स्टॉल्स और झूलों से निगम को 1.59 करोड़ रुपए की आय हुई है। मेले में प्रवेश निशुल्क रहेगा। कमिश्नर ने बताया कि विधानसभा चुनाव की आचार संहिता को देखते हुए इस बार अतिथि के रूप में जिला प्रशासन, पुलिस और न्यायिक अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा।

साथ ही मेले में सुरक्षा व्यवस्था, बिजली व्यवस्था और फायर ब्रिग्रेड की व्यवस्था रहेगी। मेले में सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने के लिए चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं मेले में आने वाले लोगों के लिए पीने के पानी और पार्किंग की उचित व्यवस्था की गई है।

टिकट से पहले ही भाजपा से भरा नामांकन

पूर्व MLA बोले- हाईकमान को मुझे बनाना पड़ेगा प्रत्याशी

बेधड़क | कोटा

पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता भवानी सिंह राजावत ने बुधवार को लाडपुरा सीट से टिकट मिले बिना ही भाजपा प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सर्वे में मेरा नाम सबसे ऊपर है। पार्टी मेरे नाम पर विचार कर रही है।

हाईकमान को मुझे प्रत्याशी बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मुझे आलाकमान पर पूरा विश्वास है कि मेरे नामांकन दाखिल करने को पार्टी से बगावत या अनुशासनहीनता नहीं माना जाएगा, ये तो सामान्य प्रक्रिया है। नामांकन रैली के लिए राजावत के समर्थक सुबह 11 बजे नेहरू गार्डन पर एकत्र हुए। इसके बाद यहां से राजावत खुली कार में गाजे-बाजे के बीच सैकड़ों समर्थकों के साथ रैली के रूप में रवाना हुए।

प्रमुख रास्तों से लोगों का अभिवान करते हुए राजावत की नामांकन रैली कलेक्ट्रेट पहुंची। इस दौरान उनके समर्थकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। रैली में उनके कार्यकर्ता व समर्थक डोल-नगाड़े की धुन पर झूमते नाचते चल रहे थे। इस दौरान कार्यकर्ता राजावत के समर्थन में नारेबाजी की। दोपहर करीब 1 बजे भवानी सिंह राजावत ने नामांकन दाखिल किया।

निर्दलीय नामांकन भरने पर भी करेंगे विचार

मीडिया से बातचीत में भाजपा नेता राजावत ने कहा कि वे निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भी नामांकन भरने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे व जनभावनाओं का आदर करते हुए पार्टी को विचार करना पड़ेगा। हाईकमान को मुझे प्रत्याशी बनाना पड़ेगा। अगर हाई कमान प्रत्याशी नहीं बनाता है तो मैं खिलाफ लड़ता रहा हूं और आगे भी लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि मैं लगातार 40 साल से अन्याय के खिलाफ लड़ता रहा हूं। अब तक सौ केस हो चुके, लेकिन मैं जनता की सेवा लगातार करता रहा हूं, आगे भी करता रहूंगा। टिकट नहीं भी मिला तो अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

विधायक ने लोगों को किया हताश

मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा नेता राजावत ने वर्तमान विधायक कल्पना देवी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्तमान विधायक ने लोगों को हताश और निराश किया है। उनके खिलाफ लोगों में गुस्सा है। विधायक कल्पना देवी अपना प्रतिनिधत्व पूरा नहीं कर पाईं। वे लोगों की आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतरीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी बदलने पर भी विचार करूंगा, हालांकि अभी किसी तरफ से प्रस्ताव नहीं आया है।

परिवार से मिलने पहुंचा था फरार आरोपी

सूर्या गैंग के सरगना को पुलिस ने किया अरेस्ट

बेधड़क | अजमेर

ब्यावर जिले की बिजयनगर थाना पुलिस ने फरार हिस्ट्रीशीटर को दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी सूर्या गैंग का सरगना है जो कि दिल्ली-मुंबई में फरारी काट रहा था। हिस्ट्रीशीटर अपने परिजनों से मिलने पहुंचा तो पुलिस ने उसे दबोच लिया। बिजयनगर थाना प्रभारी दिनेश कुमार चौधरी ने बताया कि थाने का हिस्ट्रीशीटर सुरेश गुर्जर ब्यावर सदर के खरवा गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के शुरू होने से पूर्व गैंग सहित पहुंचा और चौराहे पर खड़ी भीड़ में फायरिंग कर वहां से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर से सुरेश के बारे में सूचना मिली कि वह परिजनों से मिलने के लिए गुप्त स्थान पर आने वाला है। सूचना पर हथियारबंद जवानों के साथ वह आस-पास के क्षेत्र में साधारण वेष बनाकर निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी ने अपने साथियों से क्षेत्र के आस-पास की स्थिति की निगरानी करवाई और सब कुछ ठीक लगने पर वह सामने आया। ठीक उसी समय पुलिस टीम ने आरोपी सुरेश गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया।

चुनावी पोळ

लिस्ट दिखे तो व्रत खुलै,
भाई साहब की पीर।
अब कै चुणाव में लागसी,
जाणे कुण सो तीर।।
■ गजानन

विधानसभा चुनाव इस बार चुनाव सामग्री का बाजार पहले से ठंडा पर जल्द तेजी के आसार

प्रचार सामग्री की दुकानें सजधज कर तैयार, पर ग्राहकों का इंतजार

जयपुर | बेधड़क

प्रदेश में चुनावी माहौल धीरे-धीरे परवान पर चढ़ रहा है। सभी पार्टियों की ओर से लगातार घोषित हो रहे उम्मीदवारों के नाम लगातार इस माहौल को रोमांचक बना रहे हैं। लेकिन कुछ कमाने की उम्मीद में पांच साल चुनावों का इंतजार करने वाले व्यापारियों के लिए अभी बाजार उस रंग में नहीं आ पाया है जिसकी उन्हें उम्मीद रहती है। बात हो रही है चुनाव प्रचार सामग्री के व्यापार की।

केवल राजधानी की बात करें तो यहां आधा दर्जन से अधिक दुकानें ऐसी हैं जो राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं, चुनाव लड़ने वाले नेताओं आदि को चुनाव प्रचार सामग्री मुहैया कराती हैं। लेकिन कई कारणों से यह धंधा अब पहले जैसा नहीं रहा। दोनों पार्टियों के करीब तीन चौथाई उम्मीदवार घोषित हो जाने के बावजूद अब तक चुनाव प्रचार सामग्री के व्यापार में तेजी देखने में नहीं आई है। हालांकि व्यापारियों को उम्मीद है कि सभी प्रत्याशी घोषित होने के बाद व्यापार में तेजी आएगी। चुनाव से पहले के करीब 15 दिन इस व्यापार के लिए खास होंगे।

जानकारों की मानें तो सोशल मीडिया पर प्रचार करने की प्रवृत्ति से लेकर बड़ी पार्टियों की ओर से खुद ही प्रचार सामग्री की मैन्युफैक्चरिंग करने सहित कई कारण हैं जिनके चलते यह व्यवसाय अब फायदे का सौदा नहीं रहा है।

सोशल मीडिया ने छीना व्यापार

प्रचार सामग्री व्यापारियों का कहना है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया पर प्रचार का ट्रेंड बढ़ रहा है, उनका व्यापार काफी प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से जितने बड़े समूह तक पहुंच बनाई जा सकती है वह सामान्य प्रचार से संभव नहीं है। साथ ही सोशल मीडिया कैंपेन से लोगों में एक अलग किस्म का माइंडसेट सेट किया जा सकता है। यह सस्ता भी है, यहां तक कि मुफ्त में भी किया जा सकता है। ऐसे में अधिकांश चुनावी उम्मीदवार अपने प्रचार अभियान में सोशल मीडिया को तरजीह देने लगे हैं जिससे प्रचार सामग्री व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है।

पार्टियां खुद बनी 'दुकान'

छोटी चौपड़ पर प्रचार सामग्री का व्यापार करने वाले एक व्यापारी ने बताया कि किसी समय उनके पूरे व्यापार का बड़ा हिस्सा राजनीतिक दलों से बल्क में मिलने वाले ऑर्डर्स से आता था। आजकल सामग्री की कोस्ट कम करने के लिए कई पार्टियां खुद ही प्रचार सामग्री की मैन्युफैक्चरिंग करवा कर अपने उम्मीदवारों को वितरित कर रही हैं। इसके चलते बिजनेस छोटी पार्टियों के या निर्दलीय उम्मीदवारों के भरोसे रह गया है।

"आजकल धंधा केवल 10-15 दिन का ही रह गया है। सभी टिकट कन्फर्म होने के बाद धंधा कुछ बढ़ने की उम्मीद है। हमारे पास सभी पार्टियों के मैटिरियल का भरपूर स्टॉक है और ऑर्डर पर भी तैयार करवाने की व्यवस्था है।

विष्णु अग्रवाल, छगनलाल एंड संस, त्रिपोलिया बाजार

टिकट वितरण के बाद बूम की उम्मीद

अभी कई सीटों पर टिकटों का वितरण भी नहीं हुआ है। जयपुर शहर में ही कई महत्वपूर्ण सीटों पर अभी उम्मीदवार फाइनल नहीं हैं। व्यापारियों का कहना है कि सभी उम्मीदवार फाइनल होने के बाद व्यापार में बूम आने की उम्मीद है। इसके लिए सभी दुकानदारों ने अपना स्टॉक फुल कर लिया है और लगातार प्रचार सामग्री की मैन्युफैक्चरिंग चल रही है।

बिहाइंड द कर्टेन

राजनीतिक शब्दावली का नया अलंकार 'चिरकुट'

भाषा का अपना संस्कार होता है। संस्कार यानी तहजीब। कोई व्यक्ति संस्कारी है या नहीं, इसका पता उसकी भाषा से चलता है। राजनीति की भाषा की बात अलग है। इसकी अपनी व्याकरण है। यह कभी संस्कारी हुआ करती थी। नेता लोग आपसी बातचीत में एक-दूसरे का सम्मान रखते थे। कुछ कहना होता था तो संकेतों में काम चला लेते थे। माननीय और आदरणीय शब्द खूब प्रचलित थे। अब ये शब्द अपना मूल अर्थ खो चुके हैं। सदन में भी मर्यादा नहीं रख पाते। भ्रष्ट या चोर कह देना आम बात है। सार्वजनिक तौर पर क्या-क्या कहते हैं, यहां कह नहीं सकते। वो जमाने गए जब विरोधी दल के उम्मीदवार एक ही वाहन पर जनसम्पर्क कर लेते थे। अब तो एक ही पार्टी के परस्पर प्रतिस्पर्धी नेता ही जबानी हमलों से नहीं चूकते। फिर कहा जाता है, मतभेद हैं पर मनभेद नहीं। राजनीतिक विरोधी तक तो ठीक, अपने ही दल के नेताओं को कैसी-कैसी उपमाओं से नवाजते हैं। मौसम चुनाव का हो तो कहने ही क्या। चुनाव को डेमोक्रेसी का उत्सव कहते हैं। पर होता घमासान है। घमासान में उम्र या पद का कोई सम्मान नहीं। शुरुआत में लोकप्रिय, महत्वाकांक्षी, जुझारू, युवा जैसे शब्द सुनाई देते हैं। जैसे-जैसे माहौल परवान चढ़ता है, वैसे ही भाषा का स्तर नीचे गिरता जाता है। जितना बड़ा पद, उतनी ही घटिया भाषा। कद्दावर कहे जाने वाले एक नेता ने अपनी ही पार्टी की वरिष्ठ विधायक की उम्र को लेकर टिप्पणी कर दी। भाषा का ये ओछापन हर किसी को सन्न कर गया। मतलब संस्कारी पार्टी के कार्यकर्ता ही नहीं, नेता भी भाषाई संस्कार को तिलांजलि दे चुके हैं। चाटुकारिता और बगावत जैसे कई शब्द सदाबहार और बहुत प्रचलित हैं। कभी आया राम-गया राम हुआ करता था। हाल में नया शब्द आया 'चिरकुट'। एक गठबंधन के नेता ने दूसरे नेता को इसी शब्द से अलंकृत किया था। काफी बहस हुई। फिर बात आई-गई हो गई। जब सार्वजनिक तौर पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं तो सोचो, आपसी बातचीत में क्या होता होगा?

■ यायावर

ई वॉर

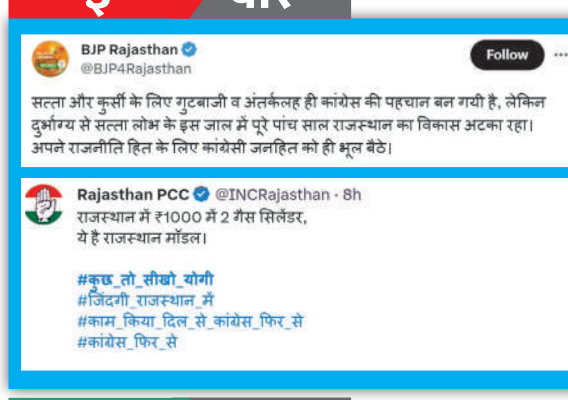

पॉली टून

थड़ी पॉलीटिक्स

विचारधारा गई तेल लेने, टिकट उसी को मिलेगा जो जिताऊ हो

स्थान कॉफी शॉप **समय** दोपहर 1:15 बजे

स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

भाई कोई कितना भी बड़ा नेता हो, पार्टी के लिए उसने कुछ भी किया हो पर कुछ मायने नहीं रखता। टिकट उसी को मिलेगा जो जिताऊ होगा। और अगर ऐसा जिताऊ खुद की पार्टी में नहीं मिला तो दूसरी पार्टी से कूद कर आए नेता को भी तुरंत टिकट मिलेगा।" चुनावी बाजार में तेजी मंदी का दौर मजेदार ढंग से चल रहा है। कोई भी उम्मीदवार सामने आता है तो जनता उसी के समीकरणों को सुलझाने में लग जाती है। कहीं टिकटों की गणित पर चर्चा है तो कहीं हार-जीत के विज्ञान पर। कहीं जातियों के समीकरण सुलझाने की बात हो रही है तो कहीं विकास के कामों की। कुल मिलाकर सारा माहौल चुनावी रंग में रंगा है। आम लोगों की आम बातचीत के माध्यम से प्रदेश का सियासी रंग देखने की कोशिश करते हुए हम पहुंचे स्टेच्यू सर्किल पर बनी कॉफी शॉप पर। यहां शॉप के आसपास कॉफी के मग हाथ मे लिए लोगों के झुंड चर्चा में लगे हैं। एक झुंड की बातों पर कान लगाए तो पार्टियों में चल रहे जिताऊ कैंडिडेट के कंसेप्ट का पता लगा। एक युवक ने कॉफी का सिप लेते हुए टिकट देने के लिए पार्टियों के पैरामीटर्स पर सवाल उठाया तो सामने से जवाब आया-"सही है भाई जो नेता कई सालों से पार्टी में सेवा कर रहा है उसकी तो कोई पूछ नहीं और जो दो-चार दिन पहले ही पार्टी में आया उसको टिकट बांट रहे हैं। जो आदमी किसी विचारधारा पर वोट करता है वो क्या करे। वो क्या उस नेता को वोट दे जो दो दिन पहले किसी एक विचारधारा के गुण गा रहा था, दो दिन बाद किसी ओर के गाने लगा।" बात में दम था, पर आज की राजनीति ही ऐसी है तो उसका क्या करें। इस सवाल का भी जवाब मंडली में से ही आ गया-"तो तुम्हारे लिए करवा दी ना नोटा की व्यवस्था। सब कुछ एक ही दिन में तो ठीक होगा नहीं। पूरे विवेक से वोट करो, और कोई ढंग का आदमी ना दिखे तो नोटा है ही। धीरे-धीरे सब अपनी जिम्मेदारी समझते रहे तो एक दिन सब सही हो जाएगा।" बड़ी समस्या का सटीक समाधान देकर चर्चा यहीं खत्म हुई।

पॉली क्लिक्स

चुनावी कसरत

चुनावी माहौल में नेता जनता के बीच जाकर प्रभाव बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। झोटवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी राज्यवर्धन सिंह राठौड़ प्रचार के लिए इलाके में स्थित एक पार्क में लोगों से मिलने पहुंचे तो सामने लगी एक्सरसाइज की मशीन पर हाथ आजमाए।

चुनावी इतिहास के झरोखे से

अब तक 81 बार रक्तदान कर चुके हैं पांच बार के विधायक ज्ञानचंद पारख

■ *गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार*
gulabbatra@gmail.com

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव में अपनी सरकार को रिपीट कराने के मकसद से वर्ष 2023 में विधानसभा सत्र में नए जिलों की अप्रत्याशित घोषणा के साथ जोधपुर संभाग के अन्तर्गत शामिल पाली जिले को संभाग मुख्यालय बनाया। यह प्रसंग पूर्व का है जब पाली जोधपुर संभाग का हिस्सा था और इससे जुड़े राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन से सड़क दुर्घटनाएं आम बात थी। इसी मार्ग पर एक हादसे में बड़ी संख्या में मौतों तथा घायलों का समाचार मिला। तब मैं जोधपुर में कार्यरत था। फॉलोअप से पता चला कि कई घायलों की जान इसलिए बच गई कि उन्हें समय पर खून उपलब्ध कराया गया। पूछताछ से पता चला कि इसके पीछे सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानचंद पारख और उनके सहयोगियों का टीम वर्क था।

अब आप सोचेंगे कि चुनावी चर्चा के दौर में रक्तदान की बात करने का औचित्य क्या है। तो इसका सीधा-सादा जवाब यह है कि यह कहानी उस ज्ञानचंद पारख की है जो अब तक 81 बार खुद रक्तदान कर चुके हैं तथा विधानसभा में पाली का प्रतिनिधित्व करते हैं। विधायक के रूप में भी उनके कीर्तिमान हैं।

विद्यार्थी जीवन में युवाओं की टीम को संगठित कर समाज सेवा के रचनात्मक कार्यों में सक्रिय रहने की प्रेरणा पारख को अपने पिता घीसूलाल पारख से मिली। पाली अंचल में 92 वर्षीय पारख प्रमुख समाजसेवी के रूप में सम्मानित हैं। व्हील चेयर पर वह अपने बनवाए वृद्धाश्रम, गौशाला में नियमित रूप से जाते हैं।

मई 1984 में ज्ञानचंद पारख ने टीम बनाकर रक्तदान अभियान का श्रीगणेश किया। स्वयं रक्तदान करते हुए टीम की मदद से वह अब तक 10 हजार यूनिट रक्त जरूरतमंद

लोगों को उपलब्ध करवा चुके हैं। आज भी रोजाना कहीं से फोन मिलने पर ज्ञानचंद पारख टीम से जुड़े सहयोगी अपने ब्लड ग्रुप की मांग पर रक्तदान के लिए तत्पर रहते हैं। समय पर रक्त उपलब्ध होने से कई लोगों की जान बचाने में सहायता मिली है। रक्तदान सहित समाज सेवा के अन्य रचनात्मक कार्यों में सक्रियता के चलते ज्ञानचंद पारख को पार्षद चुना गया । वह 1994-99 की अवधि में पाली नगर परिषद के सभापति रहे।

शेखावत ने लड़वाया था पहला चुनाव

समाज सेवा में सक्रियता एवं रक्तदान अभियान से जुड़े युवक ज्ञानचंद पारख की लोकप्रियता की जानकारी मिलने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता भैरोंसिंह शेखावत ने उन्हें जयपुर बुलाकर पानी से विधानसभा चुनाव लड़ने को कहा। वर्ष 1998 से आरम्भ हुई पारख की चुनावी यात्रा अब तक जारी है और उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। विधायक के रूप में उन्होंने कई कीर्तिमान बनाए हैं। बिना निर्वाचन क्षेत्र बदले ज्ञानचंद पारख पांच बार पाली से चुनाव लड़कर विजयी हुए हैं और वर्ष 2023 के चुनाव में भाजपा टिकट पर चुनावी छक्का जड़ने की तैयारी में हैं। उनके कामकाज तथा सद्व्यवहार को देखते हुए पार्टी ने उन्हें सहजता से बिना मांगे टिकट थमाया।

पांच बार जीते, हर बार जीत का अंतर बढ़ा

पारख के पाली से विधायक का चुनाव लड़ने की भी एक अजब कहानी है। उनका मुकाबला पाली की राजनीति के धुरंधर भीमराज भाटी से अलग-अलग रूप में होता आया है। भाटी कभी कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में तो कभी पार्टी से विद्रोह करके बतौर निर्दलीय चुनाव मैदान में कूदते हैं लेकिन उनकी दाल अभी तक नहीं गली। वर्ष 1998 में ज्ञानचंद पारख पहले चुनाव में साढ़े तीन हजार वोट से जीते। 2003 में साढ़े छह हजार मतों से जीते। 2008 में निर्दलीय लड़ रहे भाटी को साढ़े सत्रह हजार वोट से हराया। 2013 में साढ़े तेरह हजार वोट से और पिछले चुनाव में 19 हजार 386 मतों से जीते। पिछले पांच चुनावों में दो बार कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त हुई।

फिल्मकार सोहराब मोदी के जन्मदिवस पर विशेष

पारसी थियेटर से रंगीन फिल्मों तक का सफर

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारतीय सिनेमा में सोहराब मोदी उस हस्ती का नाम है, जिन्होंने अपने कॅरियर का आगाज पारसी थियेटर से किया। देशभर के शहर-शहर, कस्बे-कस्बे थिएटर कर लोगों का मनोरंजन किया और जब फिल्मों का दौर आया, तो टूरिंग टाकीज से जुड़ गए। तंबू लगाकर फिल्में दिखाईं। मनोरंजन की दुनिया से जुड़ा उनका यह सुहाना सफर सिनेमा तक जा पहुंचा। सोहराब मोदी फिल्मों के मैदान में आ गए। उन्होंने मूक फिल्में कीं। 'आलमआरा' के साथ सवाक फिल्मों का दौर शुरू हुआ। अपनी शानदार शख्शियत और जानदार डायलॉग डिलिवरी की वजह से उन्होंने यहां भी बहुत जल्दी अपनी जगह बना ली। एक पारसी घराने में पैदा होने के बावजूद सोहराब मोदी का हिंदी, उर्दू जबान पर जिस तरह से कमांड था, वह लोगों को तअज्जुब में डाल देता था। जिस पर उनका बेदाग तलफ्फुज और आवाज भी बेहद रौबदार एवं गरजदार थी। जब वे रंगमंच या फिल्मों में एक-एक लफ्ज पर जोर देकर अपने डायलॉग बोलते तो दर्शकों पर काफी असर पड़ता। वे रोमांचित हो उठते। उनके डायलॉग पर जनता तालियां और सीटी बजाकर,अपनी खुशी जाहिर करती। फिल्मों के जानिब देशवासियों में आज जो हमें दीवानगी दिखाई देती है, उसमें सोहराब मोदी का अहम रोल है। जिन्होंने अपनी ऐतिहासिक, पौराणिक और सामाजिक फिल्मों से उनकी रुचि को परिष्कृत किया। फिल्म देखने के संस्कार पैदा किए। एक लिहाज से कहें, तो वे भारतीय सिनेमा के नक्षत्र हैं। जिसकी रोशनी कभी कम नहीं होगी। वह हमेशा चमकता रहेगा। 2 नवंबर, 1897 को मुंबई में पैदा हुए सोहराब मोदी का बचपन उत्तर प्रदेश के रामपुर में बीता। उन्हें बचपन से ही अदाकारी का शौक था। यह शौक इस कदर परवान चढ़ा कि उन्होंने इसे ही अपना कॅरिअर बना लिया। अपनी पढ़ाई मुकम्मल करने के बाद सोहराब मोदी अपने भाई केके मोदी के साथ ट्रेवलिंग एग्जिबिटर का काम करने लगे।

> भारत सरकार ने सोहराब मोदी को साल 1980 में देश के प्रतिष्ठित पुरस्कार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से नवाजा, तो भारतीय सिनेमा के सौ साल पूरे होने पर उनकी याद में एक डाक टिकट भी जारी किया। 28 जनवरी, 1984 को 86 साल की उम्र में सोहराब मोदी ने दुनिया को अलविदा कह दिया। भारतीय रंगमंच, पारसी थिएटर और हिन्दी फिल्मों का जब भी इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सोहराब मोदी का नाम अव्वल नंबर पर रहेगा।

साल 1924 से लेकर 1935 तक लगातार सोहराब मोदी अपनी थिएटर कंपनी के साथ घूमते रहे। इस दौरान उन्होंने उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक सभी इलाकों तक फिल्मों को पहुंचाया। लोगों का मनोरंजन किया। लोगों की जिस तरह की दिलचस्पी होती, वो उसी तरह अपने नाटकों को डिजायन करते। यही वजह है कि ये नाटक दर्शकों को बेहद पसंद आते। इसी दौरान सोहराब और उनके भाई ने 'वेस्टर्न इंडिया थिएटर कंपनी' को भी खरीद लिया। ए ग्रुप गुलाम भारत में टूरिंग टाकीज और परमानेंट थिएटर समूहों को प्रमोट करता था।

बहरहाल, देशभर में थिएटर करने के बाद, सोहराब मोदी आखिर में मुंबई पहुंचे, तो फिल्मों की जानिब मुड़ गए। साल 1935 में सोहराब मोदी ने अपनी खुद की 'स्टेज फिल्म कंपनी' बनाई। इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर पर उन्होंने पहली फिल्म 'खून का खून' बनाई। जो शेक्सपियर के मशहूर ड्रामे 'हैमलेट' पर केन्द्रित थी। फिल्म कोई खास कामयाब नहीं रही। उनकी दूसरी फिल्म 'सैद–ए-हवस'(1936) भी शेक्सपियर के नाटक 'किंग जान' पर आधारित थी। चूंकि सोहराब मोदी अपने मन माफिक फिल्में बनाना चाहते थे, लिहाजा उन्होंने साल 1936 में फिल्म कंपनी 'मिनर्वा मूवीटोन' की स्थापना की। इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में बनाईं। 'मिनर्वा मूवीटोन' के बैनर पर उनकी इब्तिदाई फिल्में वतनपरस्ती के जज्बे से भरपूर हैं। यह वह दौर था, जब मुल्क गुलाम था। अंग्रेज हुकूमत सत्ता में थी। पत्र-पत्रिकाओं से लेकर फिल्मों तक पर ब्रिटिश सेंसर बोर्ड की निगाहें लगी रहती थीं। ऐसे माहौल में अवाम को आजादी के लिए बेदार करना आसान काम नहीं था। साल 1939 में आई फिल्म 'पुकार', 'सिकंदर' (साल-1941) और 'पृथ्वीवल्लभ' (साल-1943) वे फिल्में हैं, जिसमें अपने इस मकसद में वो पूरी तरह से कामयाब हुए। उन्होंने बड़ी ही खूबसूरती से देश के गौरवशाली इतिहास को पर्दे तक पहुंचाया। मुगल बादशाह जहांगीर के इंसाफ को मरकज में रखकर बनाई गई उनकी फिल्म 'पुकार', दर्शकों को खूब पसंद आई। सोहराब मोदी का डायरेक्शन और अदाकार चंद्रमोहन की बेहतरीन अदाकारी, इस फिल्म में उभरकर आई। इस फिल्म ने चंद्रमोहन को रातों-रात स्टार बना दिया। साल 1941 में आई फिल्म 'सिकंदर' ने 'पुकार' की कामयाबी को दोहराया। सिकंदर के रोल में पृथ्वीराज कपूर ने लाजबाव अदाकारी की और पर्दे पर इस किरदार को जिंदा कर दिया। पोरस का किरदार खुद सोहराब मोदी ने किया। फिल्म सुपर हिट रही और पृथ्वीराज कपूर को स्टार का मर्तबा मिल गया। आगे चलकर, इसी मौजूअ पर एक बार फिर 'सिकंदर-ए-आजम' बनी। जिसमें सिकंदर का रोल दारा सिंह और पोरस की भूमिका पृथ्वीराज कपूर ने निभाई। यह फिल्म भी कामयाब रही।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

मराठा आरक्षण

युवाओं को बैसाखी थमाने का उपाय

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

> आरक्षण का सारा लाभ वे लोग बटोरे लिए जा रहे हैं, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक व शैक्षिक हैसियत हासिल कर चुके हैं। कालांतर में आरक्षण मिलने के बाद मराठा जातियां भी यही एकांगी स्वरूप ग्रहण कर लेंगी। लिहाजा आदिवासी, दलित व पिछड़ी जातियों में जो भी जरूरतमंद हैं, यदि उन्हें लाभ देना है तो क्रीमीलेयर को रेखांकित करके इन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित करना होगा?

महाराष्ट्र में मराठा समाज को आरक्षण देने की मांग के चलते कुछ युवकों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाओं ने अत्यंत चिंताजनक संदेश दिया है। इस आंदोलन के नए जनक मनोज जरांगे हैं। उनके छह दिन चले आमरण अनशन के बाद यह आंदोलन उग्र और हिंसक तो हुआ ही, इसने युवाओं में अवसाद भरने का काम भी कर दिया। नतीजतन इसी माह अब तक एक दर्जन से ज्यादा युवा अवसाद की गिरफ्त में आकर आत्महत्या कर चुके हैं। साफ है, महाराष्ट्र में ही नहीं पूरे देश में जाति और समुदायगत आरक्षण का ऐसा महिमामंडन किया जा रहा है कि सरकारी नौकरी नहीं मिली तो जैसे जीवन चल ही नहीं पाएगा?

कुंठा और अवसाद की यह मानसिकता बेहद हानिकारक है, क्योंकि आरक्षण उपलब्ध संसाधनों में एक बैसाखी तो हो सकता है, लेकिन समस्या का स्थाई हल नहीं है। अतएव इस समस्या का ऐसा समाधान खोजने की जरूरत है, जो संविधान की कसौटी के अनुरूप तो हो ही, न्यायिक चुनौती का भी सामना कर सके। जब-जब मराठों को आरक्षण देने के उपाय किए गए, ये उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों में कानूनी लड़ाई हार गए। पिछड़ा वर्ग आयोग के अस्तित्व में आने के बाद महाराष्ट्र में मराठाओं को आरक्षण देना आसान लगने लगा था, लेकिन संभव नहीं हुआ। हालांकि मराठा समाज की यह मांग 1980 से लंबित है। 2014 में महाराष्ट्र विधानसभा से इस समुदाय को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान पहली बार किया गया था। किंतु मुंबई उच्च न्यायालय ने इस व्यवस्था को गैर संवैधानिक मानते हुए, इसके अमल पर रोक लगा दी थी। इसके बाद आरक्षण की मांग नियमित उठती रही। 2016 में इस आंदोलन के स्वरूप ने आक्रोश का रूप भी ले लिया था। नतीजतन एक युवक ने नहर में कूंदकर आत्महत्या भी कर ली थी। आज फिर यह आंदोलन हिंसा की राह पर है। एनसीपी के विधायक प्रकाश सोलंके और संदीन क्षीरसागर के उग्र भीड़ ने घर फूंक दिए। परिवहन निगम की 13 बसों को नष्ट कर दिया। गरम लोहे पर हथौड़ा चलाने के नजरिए से शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल और हेमंत गोडसे ने आरक्षण के समर्थन में त्याग-पत्र दे दिए। राज्य सरकार ने ओबीसी के तहत मराठाओं को 16 प्रतिशत आरक्षण दिया था। नतीजतन राज्य में कुल आरक्षण 50 फीसदी की सीमा को पार कर गया।

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने मई 2021 में मराठा आरक्षण रद्द कर दिया था। इसके बाद मराठा नेताओं ने मांग की कि उनके समुदायों को कुनबी जाति के प्रमाण-पत्र दिए जाएं। इस आंदोलन के हिंसक होने और युवकों द्वारा आत्महत्या करने के बाद सरकार ने आनन-फानन में कैबिनेट उपसमिति की बैठक में न्यायाधीश संदीप शिंदे समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इसके परिणाम स्वरूप अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि कुछ मराठवाड़ा परिवारों को आरक्षण मिलेगा। कुल 1.73 करोड़ अभिलेखों में से कुनबी समुदाय के पक्ष में 11,530 साक्ष्य मिले हैं। जिनके पास कुनबी होने के साक्ष्य होंगे, उन्हें तत्काल आरक्षण प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाएंगे, लेकिन अनशन पर बैठे मनोज जरांगे ने आंशिक आरक्षण स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। साफ है, आरक्षण का पेंच इस निर्णय के बाद भी सुलझा नहीं है।

इस आरक्षण को देने के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग ने मराठा समुदाय की सभी जातियों और उपजातियों से विचार-विमर्श किया। समाज के 98 फीसदी लोगों से राय ली गईं। कुनबी और ओबीसी के दायरे में आने वाली 90 फीसदी जातियों ने मराठों को आरक्षण देने का समर्थन किया। इसके लिए 43,600 से भी ज्यादा परिवारों का सर्वेक्षण किया गया। इससे पता चला कि मराठा समुदायों के 37 प्रतिशत परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने को विवश हैं। 70 प्रतिशत परिवार कच्चे मकानों में रहते हैं और 63 प्रतिशत परिवार लघु कृषक हैं। 53 प्रतिशत परिवारों के पास फिज्र, वाशिंग मशीन और कंप्यूटर नहीं हैं, वहीं 43 प्रतिशत परिवार के पास टीवी नहीं हैं। 22 फीसदी परिवारों की वार्षिक आय 24000 से भी कम हैं। 51 प्रतिशत परिवारों की सालाना आमदनी 24 से 50 हजार के बीच है। 19 फीसदी परिवारों की आमदनी 50 हजार से 1 लाख के बीच हैं। आठ फीसदी परिवारों की आय 1 लाख से 4 लाख रुपए वार्षिक और महज 0.5 फीसदी परिवारों की आमदनी सालाना 4 लाख रुपए से अधिक हैं। आजादी के 75 साल बाद भी ये जातियां समग्र रूप में न तो अपने बुनियादी उद्देश्य में सफल हुईं और न ही व्यापक सामाजिक हित साधने में कामयाब रहीं। इसके उलट एक ही वर्ग में आर्थिक और सामाजिक विसंगति बढ़ गई, जो नफरत और विद्वेश का कारण बन रहे हैं। नतीजतन आरक्षण के ये प्रावधान न तो समाज के लिए लाभदायी रहे और न ही देश के लिए? आरक्षण व्यवस्था के परिणामों से रूबरू होने के बावजूद देश के राजनेता वोट की राजनीति के लिए संकीर्ण लक्ष्यों की पूर्ति में लगे हैं और जातीय आरक्षण की इस प्रक्रिया को लगातार बनाए रखने की कवायद कर रहे हैं। जबकि समय की मांग है कि इसकी पुनर्समीक्षा हो और इसे आर्थिक आधार देकर वास्तविक जरूरतमंदों को लाभ दिया जाना बेहतर होगा। एक समय आरक्षण का सामाजिक न्याय से वास्ता जरूर था, लेकिन सभी जाति व वर्गों के लोगों द्वारा षिक्षा हासिल कर लेने के बाद जिस तरह से देश में शिक्षित बेरोजगारों की फौज खड़ी हो गई है, उसका कारगर उपाय आरक्षण जैसे चुक गए औजार से संभव नहीं है? लिहाजा सत्तारूढ़ दल अब सामाजिक न्याय से जुड़े सवालों के समाधान आरक्षण के हथियार से खोजने की बजाय रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर निकालेंगे तो बेहतर होगा? यदि वोट की राजनीति से परे अब तक दिए गए आरक्षण के लाभ का ईमानदारी से मूल्यांकन किया जाए तो साबित हो जाएगा कि यह लाभ जिन जातियों को मिला है, उनका समग्र तो क्या आंशिक कायाकल्प भी नहीं हो पाया? भूमंडलीकरण के दौर में खाद्य सामग्री की उपलब्धता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उन्हें हासिल करना इसलिए और कठिन हो गया है, क्योंकि अब इन्हें केवल पूंजी और अंग्रेजी शिक्षा से ही हासिल किया जा सकता है? ऐसे में आरक्षण लाभ के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अर्थाभाव में जरूरी योग्यता और अंग्रेजी ज्ञान हासिल न कर पाने के कारण हाशिए पर उपेक्षित पड़े हैं।

अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे लोग बटोरे लिए जा रहे हैं, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक व शैक्षिक हैसियत हासिल कर चुके हैं। कालांतर में आरक्षण मिलने के बाद मराठा जातियां भी यही एकांगी स्वरूप ग्रहण कर लेंगी। लिहाजा आदिवासी, दलित व पिछड़ी जातियों में जो भी जरूरतमंद हैं, यदि उन्हें लाभ देना है तो क्रीमीलेयर को रेखांकित करके इन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित करना होगा? लिहाजा इस परिप्रेक्ष्य में सोचना होगा कि आरक्षण बैसाखी है, पैर नहीं? याद रहे यदि विकलांगता ठीक होने लगती है तो चिकित्सक बैसाखी का उपयोग बंद करने की सलाह देते हैं और बैसाखी का उपयोगकर्ता भी यही चाहता है। किंतु राजनीतिक महत्वाकांक्षा है कि आरक्षण की बैसाखी से मुक्ति नहीं चाहती? इसलिए आरक्षण भारतीय समाज में उत्तरोत्तर मजबूत हुआ है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

अंधेर नगरी चौपट राजा !

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

लम्बे समय से उस नगर की बिजली कटौती के कारण नहीं आ रही थी। अंधेरे के जीव अंधेरे का फायदा उठाकर अपने करतबों को अंजाम दे रहे थे। चोर, उचक्के और बदमाश अपनी-अपनी कलाओं में सफाई ला रहे थे। अंधेरे का फायदा उठाकर ही उस नगरी का राजा गहरी नींद में सो गया था और बचा कोतवाल उसकी आंखों में भला नींद कहां? वह भी अंधेरे के कारण सो नहीं पा रहा था। चोर, उचक्के और बदमाश सक्रिय हों तो उसकी आंखें नींद कैसे ले सकती थी। वह सबकी खबर लेकर अपनी जेबें गर्म कर रहा था। गलती से मैं जा फंसा उस अंधेरे नगरी में। घुप्प अंधेरा और उसमें किसी ने मेरे ऊपर टार्च का उजाला फेंका और बोला-'रूक जाओ। कौन हो तुम?'

मैं हक्का-बक्का था। समझ में कुछ आ नहीं रहा था, तब तक वह मेरे और नजदीक आ गया और बोला-'कहीं तुम डकैत तो नहीं हो।' मैंने अपना मतदाता पहचान पत्र निकाला और बोला-'मैं इस देश का जिम्मेदार नागरिक मुसद्दी लाल हूं।' इस बार उसने पूछा- 'जानते हो, मैं कौन हूं।' मैंने कहा-'नहीं सर, मैं शहर में नया हूं। आपको नहीं पहचानता। आप अपना परिचय दीजिए। आपका परिचय पाकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता होगी।' मैंने अंधेरे में उसे गौर से देखा, घनी मूंछों में अटा उसका चेहरा रौबीला तथा हाथ में डंडा था। वह बड़े रौब से बोला-'मुसद्दी लाल मुझे पहचानो मैं इस शहर का कोतवाल, घासीराम कोतवाल हूं।'

मैंने कहा-'नाम तो जाना-पहचाना लगता है, लेकिन सर आप इस रात्रि में कहां भटक रहे हैं?' घासीराम कोतवाल बोला-'मैं मुसद्दी लाल की तलाश में निकला था और मुसद्दी लाल मिल गया। मैं भटक नहीं रहा मूर्ख, मैं शहर की रक्षा में आंखों की नींद उड़ाकर महाराज चौपट सिंह का राज-काज संभाल रहा हूं।' मैं डर गया और घिघियाता सा बोला-'सर, मैं यहां ठहरने के लिए किसी धर्मशाला की तलाश में हूं। जहां यह अंधेरी रात गुजार सकूं।' घासीराम कोतवाल हंसकर बोला-'धर्मशाला नहीं, तुम पहले थाने चलो। तुम्हारी तलाशी लेनी है। एक बदमाश अभी एक अमीर आदमी को लूटकर चम्पत हो गया है। वह कहीं तुम तो नहीं हो। चलो मेरे साथ थाने, वरना यहीं चमड़ी उधेड़ दूंगा। देखा नहीं है तुमने घासीराम कोतवाल का डंडा। सच बताओ तुम इस अंधेरी रात में निकले कहां से हो?' मैं बोला-'सर, मैं तो पास के गांव से आया था। आते-आते रात हो गई। मैं एक सज्जन और ईमानदार आदमी हूं। आप मुझ पर खामख्वाह शक कर रहे हैं।' 'हम ठहरे पुलिस वाले, हम शक के बिना पर अपराधी तक पहुंचते हैं, चलो थाने तुम्हारा मतदाता पहचान पत्र मुझे नहीं, चौपट सिंह महाराज को बताना। उन्हीं को दिया है न, तुमने अपना वोट।' घासीराम कोतवाल अड़ा हुआ था। हारकर मैं उसके साथ थाने आया तो वहां एक सिपाही मोमबत्ती जलाकर खड़ा था। मोमबत्ती के उजाले में मेरा चेहरा देखकर घासीराम कोतवाल बोला-'अब बताओ तुम्हारी जेबें।' यह कहकर कोतवाल ने मेरी जेब में हाथ डालकर मेरे पैसे निकाल लिए और बोला-'कहां से लाए तुम यह पांच सौ के पंद्रह नोट?' मैंने कहा 'मैं शहर में खरीद-फरोख्त के सिलसिले में आया हूं। मेरी परचूनी की दुकान है। उसी का सामान ले जाना है।' घासीराम कोतवाल ने मेरे उत्तर को सुनकर मेरी टांगों पर एक जोरदार डंडा जड़ दिया। मैं दर्द के मारे चीख पड़ा और वह आंखें चौड़ी करके चिल्लाया-'सच बता इस अंधेर नगरी और चौपट राजा के राज्य में आया कैसे?' मैंने लाख मिन्नतें कीं, लेकिन घासीराम कोतवाल ने मेरा हुलिया बदल दिया और अंत में मेरे रुपए अपनी जेब के हवाले करके बोला-'भग जा, अगर शिकायत की तो मैं हाल और बेहाल कर दूंगा।'

मैं लुट-पिटकर चौपट राजा के यहां पहुंचा तो दरबान ऊंघ रहे थे और पहरेदार सो रहे थे। मैंने एक को जगाकर अपनी व्यथा सुनाई तो वे बोले-'जाओ तुम्हें लूटा है तो घासीराम कोतवाल से मिलो।' मैंने कहा-'मुझे लूटा ही घासीराम कोतवाल ने है। अपनी फरियाद लेकर मैं चौपट राजा के पास आया हूं। मेरी फरियाद उन तक पहुंचाओ।' पहरेदारों ने कहा-'बकवास करते हो। घासीराम जी पर आरोप लगाते हो।'

यह कहकर पहरेदारों ने भी पांच-सात डंडे मुझ पर बरसा दिए और कहा- 'भाग जाओ, महाराज सो रहे हैं और कोतवाल जाग रहे हैं।' वहां से मैं इतने जोरों से भागा कि हांफकर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। होश आया तो मैं एक बंदीगृह में पड़ा हुआ था। बिजली अभी भी नहीं आई थी। सब तरफ अंधेरा था, एक खौफनाक अंधेरा, जिसमें चेहरे पहचानना मुश्किल था।

नॉलेज कॉर्नर: कई जैविक और औषधीय गुणों को समेटे...

पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है अदरक

हमारे आस -पास और घर में ऐसे कई पेड़ पौधे होते हैं जिनके औषधीय गुणों के बारे में अधिक जानकारी नहीं रखते हैं। घर में पाए जाने वाले पौधों के गुणों के बारे में जानकारी नहीं होने से हम उनका सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अपने घरों में ऐसे कई छोटे पेड़ पौधे होते हैं जिनमें औषधीय गुणों की भरमार होती है। अदरक भी ऐसे ही जैविक तथा औषधीय गुणों से भरपूर है। इसीलिए अदरक सदियों से आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा की एक अनिवार्य सामग्री रहा है। जिंजीबरेसी परिवार का बारहमासी जड़ी अदरक दुनियाभर में सबसे ज्यादा सेवन किए जाने वाला आहार तथा हर्बल मसाला है। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं अदरक के इन्हीं औषधीय गुणों और उसके उपयोग के बारे में...

कैंसर में भी कारगर

अदरक के नियमित सेवन से विभिन्न प्रकार के कैंसर यथा- स्तन, प्रोस्टेट, लिवर, कोलोरेक्टल एवं सर्वाइकल कैंसर में अदरक और इसके जैविक अवयवों के कारण दूर होते हैं। अदरक में पाई जाने वाली फेनोलिक एसिड पेट की जलन-एसिडिटी को कम करती है। अदरक हमारे पाचन शक्ति को मजबूत करने के साथ-साथ गैस, दर्द और दस्त जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसके साथ ही पेट में कब्ज की समस्या को भी दूर करती है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो गठिया और आर्थराइटिस को कंट्रोल

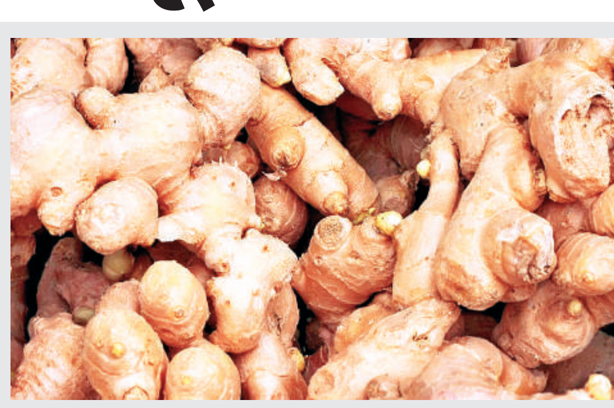

करने में और दर्द की रोकथाम करने में मददगार होते हैं। नियमित अदरक के सेवन से महिलाओं को पीरियड्स के दर्द से राहत मिलती है। अदरक माइग्रेन, सिरदर्द और मितली के लक्षणों के प्रबंधन में असरदार साबित होता है। स्वास्थ्य संबंधी फायदों के लिए यदि अधिक मात्रा में अदरक का सेवन करना चाहें तो चिकित्सक की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

सर्दियों में अधिक कारगर

भारत में अधिकतर लोग पूरे दिन एनर्जेटिक रहने के लिए सुबह-सुबह अदरक वाली चाय पीते हैं। इंडियन किचन में अदरक के बिना खाना अधूरा है। सब्जी में तो अदरक डाली ही जाती है। सर्दियों में तो अदरक का महत्व और भी बढ़ जाता हैं। आयुर्वेद के मुताबिक अदरक स्वास्थ्य के हिसाब से भी काफी ज्यादा फायदेमंद है। अदरक में जिंक, फॉस्फोरस और एंटी-ऑक्सीडेंट्स जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आयुर्वेद के अनुसार एक महीने तक अदरक लगातार खाया जाए तो हाई कोलेस्ट्रॉल, आर्थराइटिस, कैंसर और पेट संबंधी बीमारियों से एक हद तक निजात तो जरूर मिल जाता हैं।

तीन रूपों में उपलब्ध

आमतौर पर अदरक तीन रूप में बाजार में उपलब्ध होता है – ताजा जड़ी वाला अदरक, सिरप के रूप में डिब्बाबंद अदरक और सूखा अदरक मसाला। अदरक में प्रोटीन 9 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 60-70 प्रतिशत , फाइबर 3-8 प्रतिशत , फैट 3-6 प्रतिशत, जल 9-12 प्रतिशत की मात्रा में होता हैं।

कंटेंट: श्रवण भाटी

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
संकल्प आज हम लेते हैं, जन-जन को जाकर जगाएंगे, सौगंध मुझे इस मिट्टी की, हम भारत भव्य बनाएंगे।

तेलंगाना की चुनाव परिक्रमा: दलबदल बना सियासी हथियार, जारी है पाला बदल का सिलसिला

BJP को झटका, घोषणा पत्र समिति अध्यक्ष विवेक कांग्रेस में शामिल

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले दलबदल का सिलसिला जारी है। सत्ता की दावेदार पार्टियों दलबदल के माध्यम से एक दूसरे के चुनावी मात देने की रणनीति पर भी खूब अमल कर रही हैं।

भाजपा को झटका देते हुए पूर्व सांसद जी. विवेक वेंकटस्वामी ने पार्टी से इस्तीफा देकर यहां कांग्रेस का दामन थाम लिया। विवेक विधानसभा चुनावों के लिए प्रदेश भाजपा की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष भी थे। वेंकटस्वामी यहां कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी

की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। एक सप्ताह पहले वरिष्ठ नेता के. राज गोपाल रेड्डी भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। रेड्डी ने पिछले साल मुनुगोड विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली थी।

केंद्रीय मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी को एक पत्र लिखकर उन्होंने अपने फैसले की जानकारी दी। वेंकटस्वामी भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के भी सदस्य थे।

तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान कांग्रेस में रहे विवेक ने याद किया कि उन्होंने और कांग्रेस के अन्य सांसदों ने तब तेलंगाना गठन के लक्ष्य को साकार करने के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि संप्रग की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोगों की इच्छाओं का सम्मान करते हुए तेलंगाना की मांग को पूरा किया था।

सभी को उम्मीद थी कि नए राज्य में लोगों की आकांक्षाएं पूरी होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व वाली सरकार पर लोगों के लिए नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए विवेक ने कहा कि सत्ताधारी दल की जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सभी को एकजुट होने की जरूरत है।

भारतीय जनता पार्टी या कांग्रेस को वोट यानी 'अराजकता और पिछड़ापन': असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि भाजपा या कांग्रेस को वोट देने का मतलब अराजकता और पिछड़ेपन के लिए मतदान करना है। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा और कांग्रेस शासित राज्यों में कर्फ्यू तथा इंटरनेट पर रोक की घटनाएं इतनी अधिक होती हैं कि लोग न तो काम पर जा सकते हैं और न ही घर से काम कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के मामले में तेलंगाना देश में शीर्ष पर है तथा शांतिपूर्ण माहौल ने राज्य में लाखों लोगों की आजीविका का सृजन किया है।

कांग्रेस के भी कई नेता BRS में गए

विधानसभा चुनावों के बीच कांग्रेस के भी कई नेता हाल ही में पार्टी छोड़कर बीआरएस में शामिल हो चुके हैं। इनमें से कुछ नेता कांग्रेस आलाकमान के टिकट बंटवारे से नाखुश होकर बीआरएस में शामिल हुए हैं।

केसीआर ने की यज्ञम की शुरुआत

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को तेलुगु भाषी राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की समृद्धि के लिए तीन दिवसीय 'यज्ञम' (विशेष पूजा) शुरू किया। हैदराबाद के नजदीक एर्रावेली में राव के फार्महाउस में विशाखापत्तनम सारदा पीठाधिपति स्वामी स्वरूपानंदेंद्र और स्वात्मानंदेंद्र के मार्गदर्शन में 'यज्ञम' शुरू हुआ।

मिजोरम की शांति के लिए कांग्रेस को वोट दें: सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को एक वीडियो संदेश के माध्यम से मिजोरम की जनता से विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की और आरोप लगाया कि प्रदेश की दो पार्टी-मिजो नेशनल फ्रंट तथा जोराम पीपुल्स मूवमेंट राज्य में भाजपा के लिए प्रवेश द्वार की तरह हैं। उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर देश में एकरूपता थोपने के प्रयास का भी आरोप लगाया और कहा कि इससे लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा हुआ है। गांधी ने मणिपुर हिंसा के मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरी तरह से चुप्पी साध लेने का आरोप लगाया।

विजयवर्गीय ने दो गंभीर मुकदमों की जानकारी छिपाई

इंदौर। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दुष्कर्म और मानहानि के गंभीर इल्जामों से जुड़े दो अलग-अलग लम्बित अदालती मुकदमों की जानकारी इंदौर-1 सीट से भरे नामांकन में जानबूझकर नहीं दी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह सपरा ने इंदौर में कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता कनक तिवारी ने दुर्ग की एक अदालत में 1999 में विजयवर्गीय के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था और भाजपा महासचिव के नाम जारी विभिन्न समन और वारंट की तामील नहीं होने पर अदालत ने उन्हें इस मामले में 2019 से फरार घोषित कर रखा है।

तेलंगाना में तेज हुआ चुनावी घमासान: राहुल व केसीआर ने किया सभाओं को संबोधित

कांग्रेस ने BJP के टायर पंचर कर दिए: राहुल

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना में पिछड़ी जाति के किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाने के वादे को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पूछा कि भाजपा ऐसा कैसे कर सकती है जबकि उसे बहुत ही कम वोट मिलने वाले हैं।

तेलंगाना के कलवाकुर्थी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा नेता राज्य में अपनी संभावनाओं के बारे में डींगे मारते थे। लेकिन, कांग्रेस ने तेलंगाना में भाजपा की गाड़ी के चारों टायर को पंचर कर दिया है। उन्होंने कहा, आपको यहां दो प्रतिशत वोट मिलेंगे, तो आप मुख्यमंत्री कैसे बना सकते हैं। ज्ञात रहे कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में एक चुनावी रैली में 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव के बाद तेलंगाना में भाजपा के सत्ता में आने पर पिछड़े वर्ग के नेता को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की थी। राहुल गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका जाएंगे और कहेंगे कि वह अमेरिका में एक ओबीसी को राष्ट्रपति बनाएंगे।

■ बीजेपी को 2% वोट मिलेंगे कैसे बनाएगी सीएम

BJP-बीआरएस में मौन सहमति

राहुल गांधी ने भाजपा और तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस के बीच मौन सहमति के अपने आरोप को दोहराया। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी और सीबीआई के मामले हैं और उनके खिलाफ 24 मामले हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी और उन्हें दिया गया सरकारी आवास भी वापस ले लिया गया। गांधी ने कहा कि पूरा भारत और पूरा तेलंगाना उनका घर है।

जातिगत जनगणना का वादा दोहराया

बाद में, जडचेरला में एक नुक्कड़ सभा में राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी तेलंगाना में सत्ता में आने के बाद जाति जनगणना कराएगी। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस अगले साल लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सत्ता में आती है तो देश में भी जाति जनगणना कराई जाएगी।

ओवैसी की पार्टी भाजपा से पैसे लेकर प्रत्याशी खड़े करती है

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जहां-जहां कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने होती है वहां असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम, भाजपा से पैसे लेकर अपने उम्मीदवार उतारती है। उन्होंने कहा, हम जहां भी चुनाव लड़ने जाते हैं...असम, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, त्रिपुरा... जहां भी कांग्रेस पार्टी भाजपा के साथ लड़ती है, एआईएमआईएम पार्टी, भाजपा से पैसे लेती है और वहां अपने उम्मीदवार खड़े करती है।

कांग्रेस सत्ता में आई तो खत्म कर देगी वेलफेयर योजनाएं

■ केंद्र की सार्वजनिक उपक्रमों की बेचने की नीति बकवास

एजेंसी | सतुपल्ली

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार की एलआईसी सहित सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करने की बकवास नीति है।

सीएम राव ने सतुपल्ली में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारत के राज्यों में और यहां तक प्रधानमंत्री मोदी के गृह राज्य (गुजरात) में दलितों पर हमले सहित उनकी दयनीय स्थिति को देख कर उनकी सरकार ने तेलंगाना में 'दलित बंधु' योजना बनाई। केसीआर ने विश्वास जताया कि चाहे कुछ भी हो 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव के बाद बीआरएस सत्ता में आएगी।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो वे कल्याणकारी योजनाओं को खत्म कर देगी।

राहुल गांधी खेती के बारे में नहीं जानते, अन्य का लिखा भाषण पढ़ते हैं

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए,केसीआर ने कहा कि कांग्रेस नेता कृषि के बारे में नहीं जानते हैं और केवल किसी अन्य का लिखा हुआ भाषण पढ़ते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया, केंद्र में निजीकरण की बकवास नीति है। हर चीज का निजीकरण किया जा रहा है। वह एलआईसी भी बेच रहे हैं। रेलवे का भी निजीकरण किया गया है। हवाई अड्डों का भी निजीकरण किया गया है। उसी बकवास नीति के तहत अब बिजली क्षेत्र का भी निजीकरण करना चाहते हैं लेकिन तेलंगाना में हम इसे सरकार के अधीन रखे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कृषि पंपिंग सेट पर मीटर लगाना चाहती है जबकि बीआरएस सरकार ने प्रति वर्ष 5,000 करोड़ रुपए के नुकसान के बावजूद इसकी अनुमति नहीं दी है। तेलंगाना में शुरू 'दलित बंधु' योजना के तहत समुदाय के व्यक्ति को कोई कारोबार शुरू करने के लिए सरकार 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल दलितों को वोट बैंक मानते थे और जब वे सत्ता में थे तो उन्होंने उनके लिए कुछ नहीं किया।

कमलनाथ का सीएम चौहान पर सियासी हमला, कहा...

एमपी में 50 फीसदी कमीशन राज

एजेंसी | नरसिंहपुर (मप्र)

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य में 50 प्रतिशत कमीशन का राज कायम है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर राज्य को बर्बाद करने का आरोप लगाया। नरसिंहपुर जिले के करेली शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने युवाओं, किसानों और अन्य वर्गों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। चौहान

ने मध्य प्रदेश के भविष्य पर ताला लगा दिया है और यह ताला तभी खुलता है जब आप 50 प्रतिशत कमीशन देते हैं। इसके साथ ही किसानों की आय, कर्मचारियों की पेंशन और बच्चों की स्कूल वर्दी पर भी ताला लगा दिया है।

चौहान की घोषणा मशीन चल रही दोगुनी गति से

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि चौहान की 'घोषणा मशीन' पिछले छह महीने से दोगुनी गति से चल रही है। जिस दिन वह झूठ नहीं बोलते, उस दिन उन्हें खाना नहीं पचता। उन्होंने चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर दुनिया की सबसे बड़ी छात्रवृत्ति योजना शुरू करने का वादा किया।

विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी की साजिश: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले सभी विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने दो नवंबर को आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है।

चुनाव प्रचार और मुलाकात

डिंडोरी। *मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को डिंडोरी जिले के शाहपुरा में चुनाव प्रचार के दौरान लोगों से मुलाकात करते हुए।*

छत्तीसगढ़ की चुनाव डायरी

प्रधानमंत्री मोदी नहीं चाहते कि देश में सत्ता गरीबों के हाथ में आए: खरगे

एजेंसी | सुकमा (छत्तीसगढ़)

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर बुधवार को आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को संसद भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में इसलिए नहीं बुलाया गया क्योंकि वह 'अछूत' जाति से हैं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नई संसद का उद्घाटन इसलिए नहीं कराया गया क्योंकि वह आदिवासी हैं

खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं चाहते कि सत्ता गरीबों के हाथ में जाए। कांग्रेस ने आदिवासियों की जल-जंगल-जमीन की रक्षा की लड़ाई में हमेशा उनका समर्थन किया है। राज्य के

नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के सुकमा जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा हमेशा कहती है कि उन्होंने आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया। लेकिन उन्हें कोई भी इमारत का शिलान्यास करने का मौका नहीं मिला। खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को आजाद कराया और बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान का निर्माण किया।

कांग्रेस का योगदान गिनाया

खरगे ने देश के विकास में कांग्रेस के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, देश जब आजाद हुआ तब स्कूल व कॉलेज का निर्माण हुआ। बैंक नहीं थे, उद्योग नहीं थे। आज जो भी है, उसमें सबसे बड़ा योगदान कांग्रेस का है और भाजपा तथा प्रधानमंत्री मोदी पूछते हैं कि कांग्रेस ने क्या किया।

कांग्रेस इस आधार पर मांगती है वोट

उन्होंने कहा, हमने देश के लिए कुछ किया है इसलिए हम वोट मांग रहे हैं। इस देश के नागरिकों की भलाई की है, इसलिए हम वोट मांग रहे हैं। इस देश की आजादी के लिए कांग्रेस पार्टी के लोग सूली पर चढ़े इसलिए हम वोट मांग रहे हैं।खरगे ने कहा कि वह सिर्फ वोट मांगने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के अलावा (आदिवासी) समुदाय, संविधान, लोकतंत्र और देश की रक्षा भी करनी है।

ध्रुवीकरण के अलावा BJP के पास कोई मुद्दा नहीं: रमेश

रायपुर। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भाजपा पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में उनके पास इसके अलावा कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन राज्य के लोग ऐसी विभाजनकारी विचारधारा को कतई स्वीकार नहीं करेंगे। रमेश ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियां छत्तीसगढ़ के लोगों के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दाविहीन हो गई है। राज्य में केंद्रीय गृहमंत्री और असम के मुख्यमंत्री के भाषणों में केवल ध्रुवीकरण का मुद्दा उठा। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर छत्तीसगढ़ में रैलियों के दौरान दिए गए बयानों के लिए केंद्रीय गृहमंत्री और असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और निर्वाचन आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किये हैं। उन्होंने कहा, भाजपा और आरएसएस विभाजनकारी राजनीति में विश्वास करते हैं तथा सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने और वोट हासिल करने के लिए लोगों को धर्म, जाति और भाषा के आधार पर विभाजित करने की कोशिश करते हैं। वे उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी यही काम कर रहे हैं। रमेश ने दावा किया कि मणिपुर में जो कुछ भी हुआ वह उसी विभाजनकारी राजनीति का नतीजा है। छत्तीसगढ़ चुनाव में कांग्रेस की जीत पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा, लोग विभाजनकारी और ध्रुवीकरण की विचारधारा को स्वीकार नहीं करेंगे।

जरूरी खबर

यूएई में जल्द खुलेगा सीबीएसई कार्यालय: प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड जल्द ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएईए) में अपना कार्यालय खोलेगा। मंत्री ने यह घोषणा अबू धाबी की तीन-दिवसीय यात्रा के दौरान की। प्रधान ने अबू धाबी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, यूएई-भारत के रिश्ते आज बहुत अच्छी स्थिति में हैं। रणनीतिक साझेदारी में, विशेषकर शिक्षा और कौशल में, भारत और यूएई के बीच मजबूत संबंध हैं। यूएई में एक आईआईटी खोल रहे हैं और भारत के कई प्रमुख विश्वविद्यालय पहले ही यहां कार्य कर रहे हैं। निकट भविष्य में और भी विश्वविद्यालय आ सकते हैं। भारत के प्रमुख राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड सीबीएसई के 100 से अधिक स्कूल संयुक्त अरब अमीरात में कार्यरत हैं...हम जल्द ही यहां एक सीबीएसई कार्यालय खोलने जा रहे हैं।

नौसेना ने किया ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने बुधवार को कहा कि उसने बंगाल की खाड़ी में अपने युद्धपोत से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया। नौसेना ने कहा कि मिसाइल मिशन के सभी उद्देश्यों पर खरी उतरी है। नौसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मिसाइल परीक्षण की एक तस्वीर भी साझा की। नौसेना ने कहा, मिसाइल मिशन के सभी पैमानों पर खरी उतरी है।

यूनेस्को की सूची में ग्वालियर व कोझिकोड शामिल

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के रचनात्मक शहरों की सूची में ग्वालियर और कोझिकोड समेत 55 नए शहरों को शामिल किया गया है। यूनेस्को ने मंगलवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी घोषणा की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह हमारे देश के लिए खुशी का एक और पल है, क्योंकि ग्वालियर और कोझिकोड को यूनेस्को के 'क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' में शामिल किया गया है। ग्वालियर की संगीत की गौरवशाली विरासत को ध्यान में रखते हुए यूनेस्को द्वारा इस शहर को 'संगीत का शहर' और केरल के कोझिकोड को 'साहित्य का शहर' के रूप में नामित किया गया है।

तेंदुलकर की प्रतिमा का अनावरण

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की प्रतिमा का अनावरण किया। तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ पहुंचे थे। समारोह में आईसीसी प्रमुख शरद पवार, बीसीसीआई सचिव जय शाह व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल थे।

अब हम शीर्ष पांचवें में

__नई दिल्ली।__ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चीन के हांगझोउ में हुए पैरा एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 111 पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने बुधवार को मुलाकात की। पीएम भारत के प्रदर्शन को अभूतपूर्व बताया और कहा, आपके ये 111 पदक दरअसल 140 करोड़ सपने हैं। 2014 में एशियाई पैरा खेलों में भारत के पदकों से यह तीन गुना अधिक है। 2014 में हम पदक तालिका में 15वें स्थान पर थे लेकिन इस बार अर्थव्यवस्था की तरह इन खेलों में भी शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं।

2,000 रुपए मूल्य के 97% नोट RBI पहुंचे

मुंबई। चलन से वापस लिए गए 2,000 रुपए मूल्य वर्ग के 97 प्रतिशत से ज्यादा नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं और अब सिर्फ 10,000 करोड़ रुपए मूल्य के नोट ही लोगों के पास रह गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। रिजर्व बैंक ने इस साल 19 मई को 2,000 रुपए मूल्य के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी।

इन नोटों को बैंकों में जमा करने के साथ अन्य मूल्य वर्ग के नोटों से बदलने की सुविधा लोगों को दी गई थी। रिजर्व बैंक ने कहा, चलन में मौजूद 2,000 रुपए मूल्य के नोटों का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। अब यह घटकर 31 अक्टूबर, 2023 को 10,000 करोड़ रुपए रह गया है। जनता से अनुरोध है कि वे भारतीय डाक के डाकघरों के माध्यम से 2,000 रुपए के बैंक नोट भेजने की सुविधा का लाभ उठाएं। इससे उन्हें 2,000 रुपए के बैंक नोटों को जमा/विनिमय करने के लिए आरबीआई कार्यालयों तक जाने की जरूरत नहीं होगी।

मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर सर्वदलीय बैठक में सहमति

अन्य समुदायों के कोटा को छुए बिना देंगे आरक्षण: शिंदे

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बुधवार को हुई सर्वदलीय बैठक में फैसला किया गया कि राज्य में अन्य समुदायों को दिए जा रहे वर्तमान आरक्षण में छेड़छाड़ किए बिना मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाना चाहिए। शिंदे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरक्षण समर्थक कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अपील की कि वह अपना अनशन समाप्त कर दें और सरकार को कुछ समय दें। जरांगे 25 अक्टूबर से अनशन पर हैं।

शिंदे ने कहा, राज्य को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करने के लिए उपचारात्मक याचिका तैयार करने के लिए कुछ समय की जरूरत है। सरकार दो मोर्चों पर काम कर रही है, पहला मराठवाड़ा में मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र जारी कर रही है व त्रुटि रहित याचिका तैयार कर रही है।

ये मौजूद थे बैठक में

सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब समेत कई नेता मौजूद रहे।

अधूरा आरक्षण स्वीकार नहीं: जरांगे

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि मराठा समुदाय अधूरा आरक्षण स्वीकार नहीं करेगा। महाराष्ट्र सरकार को इस मुद्दे पर राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा, आरक्षण देने में चयनात्मक न हों। सभी मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र दें।

बीड में कर्फ्यू हटाया, 99 लोग गिरफ्तार

इस बीच, छत्रपति संभाजीनगर जिले में बीड प्रशासन ने मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान सोमवार को हुई हिंसा के बाद जिले के कुछ हिस्सों में लगाया गया कर्फ्यू बुधवार सुबह हटा लिया। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में 30 से अधिक मामले दर्ज किये हैं और 99 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि निषेधाज्ञा जारी रहेगी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरनेट सेवाएं अब भी बंद हैं। इस बीच, छत्रपति संभाजीनगर के ज्यादातर हिस्सों में बुधवार शाम से अगले 48 घंटों के लिए मोबाइल व ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई। अधिकारी के मुताबिक, इंटरनेट सेवा बुधवार शाम छह बजे से शुक्रवार शाम छह बजे तक बंद रहेगी।

कुनबी जाति प्रमाणपत्रों का वितरण आरंभ

राज्य के धाराशिव जिले के अधिकारियों ने मराठा समुदाय के पात्र सदस्यों को कुनबी जाति के प्रमाण पत्र वितरित करने शुरू किए कर दिए हैं। इस तरह का पहला प्रमाण पत्र जिले के कारी गांव के सुमित माने को सौंपा गया। जिलाधिकारी सचिन ओम्बासे ने माने को यह प्रमाण पत्र सौंपा। इससे एक दिन पहले राज्य सरकार ने मराठा समुदाय के पात्र सदस्यों को नए कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया था। दूसरी ओर पुणे पुलिस ने मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग को अवरुद्ध करने और टायर जलाने के आरोप में मराठा आरक्षण का समर्थन करने वाले संगठनों के लगभग 500 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चुनावी बॉन्ड योजना पर सुनवाई

बड़ा दानदाता बॉण्ड खरीदने का जोखिम नहीं उठाएगा

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना के साथ समस्या यह है कि यह 'चयनात्मक गुमनामी' और 'चयनात्मक गोपनीयता' प्रदान करती है क्योंकि विवरण स्टेट बैंक के पास उपलब्ध रहता है और उन तक कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी पहुंच सकती हैं। बड़ा दानदाता बॉन्ड खरीदने का जाखिम नहीं उठाएगा।

सुनवाई के दौरान सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कोई भी बड़ा दानकर्ता कभी भी राजनीतिक दलों को देने के उद्देश्य से चुनावी बॉन्ड खरीदने का जोखिम नहीं उठाएगा और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के खाते की खाता-बही में शामिल होने के कारण भी कभी इसमें नहीं पड़ेगा।

एक बड़ा दानकर्ता उन लोगों को दान का पैसा वितरित कर सकता है जो बाद में नकद के बजाय आधिकारिक बैंकिंग चैनल के माध्यम से छोटी राशि के चुनावी बॉन्ड खरीदेंगे। प्रधान

न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि इस तरह की योजना के साथ समस्या रहेगी यदि यह सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर नहीं प्रदान करती और अस्पष्टता से ग्रस्त है।

शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों के वित्तपोषण के लिए चुनावी बॉन्ड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दलीलें सुनने के दौरान कहा कि इस योजना के पीछे का उद्देश्य पूरी तरह से प्रशंसनीय हो सकता है, लेकिन चुनावी प्रक्रिया में सफेद धन लाने के प्रयास में यह अनिवार्य रूप से एक 'संपूर्ण सूचना छिद्र' उपलब्ध कराता है।

मणिपुर: इंफाल में कर्फ्यू में ढील वापस

पुलिस कार्यालय के घेराव का प्रयास

एजेंसी | इंफाल

मणिपुर की राजधानी इंफाल में एक भीड़ ने बुधवार को हथियारों की मांग को लेकर मणिपुर पुलिस कार्यालय परिसर का घेराव करने का प्रयास किया, जिसके बाद प्राधिकारियों ने हवा में गोलियां चलाने और दो जिलों में कर्फ्यू में दी गई ढील वापस लेने का आदेश दिया। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, मणिपुर सरकार ने कानून व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के चलते इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक दैनिक कर्फ्यू में छूट तत्काल प्रभाव से वापस ले ली। यह निर्णय हथियारों की मांग को लेकर लोगों के एक समूह द्वारा इंफाल पश्चिम जिले में स्थित राजभवन और मुख्यमंत्री कार्यालय के नजदीक मणिपुर राइफल्स परिसर के घेराव के प्रयास के बाद आया। अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में कई गोलियां चलाईं।

आदिवासी उग्रवादियों द्वारा मोरेह शहर में मंगलवार सुबह एक ऑन-ड्यूटी उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) की गोली मारकर हत्या किये जाने के बाद राज्य की राजधानी में तनाव उत्पन्न हो गया है।

अविश्वास खत्म करें मेइती व कुकी समुदाय

तिपा (मिजोरम)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मणिपुर में एक दूसरे से लड़ रहे मेइती और कुकी समुदायों से अपील की कि वे एक-दूसरे के प्रति बने अविश्वास के माहौल को खत्म करने के लिए साथ बैठें और दिल से बात करें। सिंह ने म्यामार सीमा के नजदीक एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सरहद पर सेनापति

__नई दिल्ली।__ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बुधवार को सियाचिन आधार शिविर और अग्रिम चौकियों का दौरा कर वहां परिचालन तैयारियों की समीक्षा की।

तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

भारत-बांग्लादेश के रिश्ते निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहे

एजेंसी | अगरतला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बांग्लादेश की अपनी समकक्ष शेख हसीना के साथ डिजिटल माध्यम से तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि दोनों देशों के संबंध निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहे हैं तथा पिछले नौ वर्षों में दोनों ने मिलकर जितना काम किया है, उतना काम कई दशकों में भी नहीं हुआ।

मोदी और हसीना ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया उनमें त्रिपुरा के निश्चिंतपुर और बांग्लादेश के गंगासागर के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क, 65 किलोमीटर लंबी खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन और बांग्लादेश

के रामपाल में 'मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट' की दूसरी इकाई शामिल हैं। करीब 15 किलोमीटर लंबे अगरतला-अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल संपर्क से सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और ढाका के रास्ते अगरतला तथा कोलकाता के बीच यात्रा के समय में काफी कमी आएगी। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हसीना के साथ बातचीत में कहा, यह खुशी की बात है कि हम भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक बार फिर जुड़े हैं। हसीना ने कहा कि तीनों परियोजनाएं दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग को और मजबूत करेंगी। मोदी ने कहा कि सीमा पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता की बहाली के लिए दोनों देशों के बीच दशकों से लंबित, जमीन सीमा समझौता किया गया और समुद्री सीमा संबंधी मामलों को भी सुलझाया गया।

नौ साल में इस तरह से बढ़े रिश्ते

- तीन नई बस सेवाएं और तीन नई रेल सेवाएं शुरू
- 2020 से भारत-बांग्लादेश के बीच कंटेनर और पार्सल ट्रेन चल रही है
- समुद्री मार्ग को सवारी और माल परिवहन के लिए विकसित किया गया
- बांग्लादेश से त्रिपुरा के लिए निर्यात का रास्ता खुला
- भारत और बांग्लादेश के बीच विश्व की सबसे बड़ी क्रूज सेवा 'गंगा विलास' शुरू

नौ वर्षों में तीन गुना बढ़ा व्यापार

भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र पर चार नई आव्रजन जांच चौकी खोले जाने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, पिछले नौ वर्षों में हमारा आपसी व्यापार लगभग तीन गुना हो गया है। इन नौ वर्षों की यात्रा में, आज 'अखौरा-अगरतला रेल संपर्क' का उद्‌घाटन भी एक ऐतिहासिक पल है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से बांग्लादेश का ये पहला रेल संपर्क है। इस संपर्क के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के राज्य बांग्लादेश के बंदरगाहों से भी जुड़ेंगे।

धन शोधन मामला: ईडी की कार्रवाई

गोयल व अन्य की 538 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कहा कि कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल, उनके परिवार के सदस्यों और कंपनियों की लंदन, दुबई और भारत में करीब 538 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

कुर्क की गई संपत्तियों में 17 फ्लैट, बंगले और वाणिज्यिक परिसर शामिल हैं। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि लंदन, दुबई और भारत के विभिन्न शहरों में स्थित ये संपत्तियां जेट एयर प्राइवेट लिमिटेड और जेट एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड

जैसी विभिन्न कंपनियों, गोयल, उनकी पत्नी अनीता और बेटे निवान के नाम पर हैं। ईडी ने गोयल को एक सितंबर को गिरफ्तार किया था और एजेंसी ने मंगलवार को मुंबई में विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम अदालत के समक्ष उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

लोकरंग महोत्सव में सात राज्यों की आठ लोक विधाएं हुईं साकार

राजस्थान की धरती पर पहली बार मर्दानी ने दिखाया शौर्य!

बेधड़क.जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में लोकरंग महोत्सव में देशभर से आए कलाकार अपने प्रदेशों की लोक कलाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को मध्यवर्ती में राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह में सात प्रदेशों के कलाकारों ने आठ लोक विधाओं की प्रस्तुति दी। इनमें महाराष्ट्र से आए कलाकारों द्वारा दी गई मर्दानी शौर्य कला की प्रस्तुति ने सबका ध्यान आकर्षित किया। इधर, शिल्पग्राम में लगे राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में त्यौहारी सीजन का असर साफ नजर आ रहा है। बड़ी संख्या में लोग खरीददारी करने यहां आ रहे हैं। शिल्पग्राम के मुख्य मंच पर कच्छी घोड़ी, कबीर गायन, पद दंगल, राजस्थानी लोक नृत्य और हरियाणा के घूमर की प्रस्तुति हुई। लोकरंग में बुधवार को 120 से अधिक कलाकारों ने अपने हुनर को प्रदर्शित किया। शिल्पग्राम में आगंतुक लोक कलाओं की प्रस्तुति के साथ हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी को निहारते दिखे। यहां पोटरी और ब्लॉक प्रिंटिंग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी किया गया। कठपुतली, रावण हत्था, बहुरूपिया कलाकारों ने सभी का खूब मनोरंजन किया।

लंगा गायन से सजी महफिल

मध्यवर्ती में थार के गूंजते स्वर महफिल के अगुआ बने। सधे स्वरों में लंगा गायकों ने राजस्थानी संगीत के सौंदर्य से सभी को रूबरू करवाया। उन्होंने सिंधी सारंगी, खड़ताल और ढोलक की संगत के साथ, 'आयो रे हेली' और 'गहणलियों माया मोणो नियो राज' गीत गाए। बच्चों के गायन कौशल से सभी मंत्र मुग्ध हो उठे। उत्तराखंड के छोलिया और जम्मू-कश्मीर के पंजेब नृत्य के बाद गोवा के कुणबी नृत्य की प्रस्तुति हुई। देवली समुदाय के लोग विभिन्न समारोह में कुणबी नृत्य करते हैं। प्रस्तुति में स्थानीय भाषा में मध्य लय के गीत पर महिलाओं द्वारा नाविक से नदी पार करवाने की विनती करते हुए प्रसंग को दिखाया गया।

महाराष्ट्र से पहली बार आई युद्ध कौशल से जुड़ी कला

महाराष्ट्र से आए कलाकारों ने मर्दानी शौर्य कला की प्रस्तुति दी, जिसने सभी के रौंगटे खड़े कर दिए। यह विधा राजस्थान के मंच पर पहली बार प्रदर्शित की गई है। शिवाजी के समय प्रचलित युद्ध कौशल को इस विधा के जरिए कलाकारों की ओर से जीवंत रखने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें पुरुष व महिला कलाकारों ने तलवार, दांडपट्टा व अन्य धारदार हथियारों के साथ अलग-अलग रोमांचकारी करतब दिखाए। गुजरात के डांगी और पंजाब के जिन्दवा नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सहरिया का स्वांग

स्वांग नृत्य की प्रस्तुति में राजस्थान के जनजातीय जीवन को दर्शाया गया। स्वांग नृत्य सहरिया जनजाति के कलाकारों की ओर से किया जाता है। जंगली जानवरों का स्वांग रच कलाकारों ने विभिन्न करतब दिखाए, जिन्हें देखकर सभी रोमांचित हो उठे।

जेंट्स कुर्ता कलेक्शन लॉन्च

बेधड़क. जयपुर। रामाज कुर्ती ने दिपावली और वेडिंग सीजन को देखते लेडीज कुर्तीज के साथ-साथ जेंट्स कुर्ता का कलेक्शन लॉन्च किया। इस बार दीपावाली पर डिजाइनर लेडीज कुर्तीज के साथ-साथ डिजाइनर जेंट्स कुर्ता का कलेक्शन अपने सभी स्टोर पे शोकेस किया। महिला परिधान के साथ ही पुरुष परिधान की सीतापुरा में अति-अत्याधुनिक मशीनों से गारमेंट बनाए जाते हैं और महावीर टेलर ने बताया रामाज कुर्ती पूरे वर्ल्ड वाइड में होलसेल रेट में डिजाइनर कुर्तीज, अनारकली, प्लाजो सेट, डिजाइनर जेंट्स कुर्ता की सप्लाई और एक्सपोर्ट किया जाता है। ग्राहकों में रामाज के कलेक्शन को काफी सराहा जा रहा है।

सामूहिक करवा चौथ सेलिब्रेशन

बेधड़क. जयपुर। करवा चौथ पर बुधवार को 51 कपल्स ने सामूहिक रूप से यह खास दिन सेलिब्रेट किया। मालवीय नगर स्थित होटल येनेला-द कनॉट हाउस में आयोजित इस खास कार्यक्रम में सभी जोड़ों ने विधि-विधान से एक साथ पूजन किया व चौथ की कहानी सुनकर परंपरा का पालन किया। यहां पंडित द्वारा सभी को विधिवत पूजन कराया गया। इसमें एक साथ विधि-विधान से पूजन कर सभी कपल्स ने एक साथ बैठकर भोजन भी किया। साथ ही इसकी कथा व इससे जुड़े विविध पहलुओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सभी कपल्स के लिए मनोरंजक गेम्स रखे गए। कपल्स के लिए विशेष फोटोशूट भी रखा गया। इंटरेक्शन के दौरान कुछ कपल्स ने अपने वैवाहिक जीवन के यादगार किस्से साझा किए। होटल येनेला के मैनेजिंग डायरेक्टर राकेश शर्मा ने बताया कि इस खास अवसर पर उनके पति भी महिलाओं के साथ शामिल हो पाएं, इसी उद्देश्य के साथ यह खास कार्यक्रम रखा गया।

महिला सशक्तीकरण पर संवाद

बेधड़क. जयपुर। मणिपाल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट एवं आईईई स्टूडेंट चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तीकरण विषय में 'इंजीनियरिंग में महिलाएं, वर्तमान परिपेक्ष्य में भविष्य की संभावनाओं' विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इसमें गूगल प्ले की वाइस प्रेसिडेंट पूर्णिमा कोचिकर ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। इस दौरान उन्होंने भारत के छोटे से कस्बे से निकल कर सिलिकॉन वैली तक के सफर के बारे में जानकारी देकर सभी लोगों को एक महिला की इंजीनियरिंग में भागीदारी की रोचक कहानी से प्रेरित किया। कार्यक्रम में डीन प्रो. अरुण शानबाग, डायरेक्टर प्रो. संदीप चौरसिया, विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा चौधरी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सभी महिला शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साक्षी श्रृंगी ने किया।

City इवेंट्स

आर्यिकाश्री ने देखी विधानसभा

बेधड़क. जयपुर। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में चातुर्मास रत गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की युवा शिष्या बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी ससंघ ने बुधवार को राजस्थान विधान सभा भवन का अवलोकन किया। पदम जैन बिलाला के अनुसार आर्यिका श्री ने अवलोकन करते हुए कहा कि जिस प्रकार जिन मंदिर में अपने लिए शुद्ध भावनाओं के साथ प्रवेश किया जाता है, उसी प्रकार लोकतंत्र के मंदिर में जनता जनार्दन के लिए शुद्ध भावनाओं के साथ प्रवेश कर अपने कर्तव्यों का निर्वाह होता है। आर्यिका श्री ने विधान सभा के म्यूजियम को राजस्थान के लोकतंत्र के इतिहास की बहुत ही बेहतरीन कृति बताया। नरेश कासलीवाल अनुसार आर्यिका श्री से उपस्थित विधान सभा स्टाफ ने आशीर्वाद लिया। इस समय ब्र० सविता दीदी, अलका सेठी, वर्षा सेठी, सुलोचना पाटनी सहित जनकपुरी समाज के कमलेश जैन, सुनील सेठी, मयंक पाटनी, तारा चंद गोधा, राजेंद्र ठोलिया व सोभाग अजमेरा भी साथ थे।

JLF की दूसरी लिस्ट में 25 वक्ता

बेधड़क. जयपुर। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने 17वें संस्करण में शामिल होने वाले वक्ताओं की दूसरी लिस्ट की घोषणा कर दी। इसमें 25 वक्ता शामिल हैं। फेस्टिवल का आयोजन 1-5 फरवरी को होटल क्लार्क्सआमेर में किया जाएगा। सूची में लेखक अखिल कात्याल, अमियाश्रीनिवासन, एंड्रूकुइंतमन, कवयित्री अरुंधती सुब्रमण्यम, लेखिका बोनी गार्मुस, चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी, नाटककार डमोंगल्गुत, समीक्षक डायनाएवांस, गीतकार गुलजार, लेखक हेर्ननडिअज, लेखक केयबर्ड, लेखिका कैटीकितामुरा, भूटानीअभिनेता केलीदोरजी, ब्रिटिश म्यूजियम क्यूरेटर लुके सिसों, सुप्रीम कोर्ट ऑफ फिजी के जज जस्टिस मदन बी लोकुर, ऑस्ट्रेलिया के 29वें प्रधानमंत्री माल्कोल्मटर्नबुल एसी, लेखिका मारियागोरेत्ति, लेखिका मेर्वेएमरे शामिल हैं।

यूनाइटेड किंगडम में पढ़ा शोधपत्र

बेधड़क. जयपुर। ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के होम्योपैथिक विज्ञान संकाय के डीन और निदेशक, प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक, डॉ. एमपी शर्मा ने हैनीमैन कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, स्लो, यूके द्वारा लंदन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथिक कांग्रेस में माइग्रेन पर अपना शोध पत्र पढ़ा। डॉ. शर्मा ने माइग्रेन के कई रोगियों का होम्योपैथी इलाज किया है और इस पेपर के साथ वह माइग्रेन के बारे में जानकारी देते हुए अपने शोध प्रयासों को साझा किया। कॉन्फ्रेंस में यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, भारत, पाकिस्तान, इटली, श्रीलंका सहित अन्य कई देशों के होम्योपैथी चिकित्सकों ने भी भाग लिया। डॉ. शर्मा के पेपर को सराहना मिली। डॉ. शर्मा ने माइग्रेन के कारण, प्रकार और प्रकृति की चर्चा करते हुए बचाव के उपाय एवं होम्योपैथी दवा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। हैनीमैन कॉलेज ऑफ होम्योपैथी यूके के निदेशक डॉ. शशि मोहन शर्मा ने कहा कि भविष्य में भारत इस चिकित्सा प्रणाली का सबसे बड़ा स्रोत होगा।

महिला और पुरुष टीमें गोवा रवाना

राष्ट्रीय खेलों की हैंडबॉल स्पर्द्धा के लिए राजस्थान टीम क्वालीफाई

बेधड़क | जयपुर

गोवा में चल रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों के लिए राजस्थान की पुरुष, महिला व बीच पुरुष टीमें बुधवार को जयपुर से गोवा के लिए रवाना हो गई। राष्ट्रीय खेलों की हैंडबॉल स्पर्द्धा के लिए राजस्थान की पुरुष व महिला एवं बीच पुरुष टीम ने क्वालीफाई किया है। तीनों टीमों के जयपुर स्थित खिलाड़ियों को राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ ने रवाना किया। इस अवसर पर आरसीसी जयपुर के खेल अधिकारी करण सिंह शेखावत, खेल प्रबंधक कोमल चौधरी व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कोषाध्यक्ष तेजराज सिंह भी मौजूद थे। राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ ने कहा कि अपने सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के लिए पदक जीत कर लाएं। राज्य हैंडबाल संघ के सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि गोवा के मनोहर परिकर इंडोर स्टेडियम में हैंडबॉल स्पर्द्धा 4 से 8 नवम्बर तक तथा बीच हैंडबॉल स्पर्द्धा 5 से 9 नवम्बर तक मीरामार बीच पर होगी। पुरुष टीम के कप्तान मनीष सिंह चौहान हैं तथा मुख्य प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह, प्रशिक्षक संदीप कुमार, मैनेजर मोहम्मद कलीम खान, फिजियो दीपक शर्मा हैं। महिला टीम की कप्तान पूजा कंवर हैं तथा मुख्य प्रशिक्षक मनीषा राठौड़, प्रशिक्षक पूजा राठौड़, मैनेजर युक्ति सिंह और फिजियो मासूम गोयल हैं।

एमजेआरपी यूनिवर्सिटी में टैलेंट हंट

गीत-संगीत, डांस, एक्टिंग और एंकरिंग कर जीते कई पुरस्कार

बेधड़क | जयपुर

महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय के सोडाला कैम्पस में स्टूडेंट्स में छुपे हुए टैलेंट को खोजने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमजेआरपी टैलेंट हंट 'टैलेंट तुम्हारा, प्लेटफॉर्म हमारा' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के करीब 17 डिपार्टमेंट्स के स्टूडेंट्स ने अपनी गीत-संगीत, डांस, एक्टिंग व एंकरिंग आदि बहुआयामी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दर्शक स्टूडेंट्स ने भी हर परफोरमेंस पर खूब तालियां बजाई। यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने बेस्ट परफोर्मेंस के लिए स्टूडेंट्स आश्रय, तनु, दीक्षा कुमारी, अंजली, करन और सीताराम को सम्मानित किया। पंवार ने स्टूडेंट्स को ऐसी गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स में एक से बढ़कर एक टैलेंट है जिन्हें बस तराशने की जरूरत है। टैलंट शो मे स्टूडेंट्स ने जमकर मस्ती की और अपने छिपे हुए हुनर को प्रदर्शित किया। लगभग चार घंटे तक चले इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने अपने टैलेंट को शोकेस किया। स्किट, योगा, मोनो एक्टिंग, डांस, सोलो सोंग, एंकरिंग, पॉइट्री जैसे टैलेंट्स से ओतप्रोत टैलेंट शो में प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर करीब एक हजार स्टूडेंट्स और फेकल्टी मैंबर्स उपस्थित थे।

केंद्रीय विद्यालय 2 | **31 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का समापन**

स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए परिस्थिति तंत्र को समझा

बेधड़क | जयपुर

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 में हुई दो दिवसीय 31 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग के 71 विद्यालयों के 250 विद्यार्थियों और 72 अनुरक्षकों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन 30 अक्टूबर को मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त बीएल मरोडिया, विशिष्ट अतिथि सहायक आयुक्त डीआर मीणा ने किया।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य, राजस्थान यूनिवर्सिटी, एलएमएनआईटी यूनिवर्सिटी, अमेठी यूनिवर्सिटी, बियानी कॉलेज, एसएसजी पारीक कॉलेज, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज के विज्ञान विभाग के डिप्टी डायरेक्टर, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रो., साइंस ऑफिसर, लेक्चरर पूर्व केंद्रीय विद्यालय शिक्षकों आदि 27 निर्णायक मंडल के सदस्यों ने भाग लिया। अतिथियों का स्वागत पुष्पित पौध द्वारा विद्यालय के प्राचार्य पीके टेलर, उप प्राचार्य बीएस राठौर, संयोजक राजेश गुप्ता और मुख्य अध्यापक महेश बुनकर द्वारा किया गया।

विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए

इस बाल विज्ञान कांग्रेस की फोकल थीम स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए परिस्थिति तंत्र को समझना रखी गई है । इस थीम में वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्ग के प्रतिभागियों के लिए सब थीम निर्धारित की गई थी इन विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने मॉडल, परियोजनाओं को विषय विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत किया। समापन समारोह में 10 थीम के 30 विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए गए और उनके प्रोजेक्ट को केविसं राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया।

बाल विज्ञान कांग्रेस के उद्देश्य बताए

विद्यालय के प्राचार्य पीके टेलर ने स्वागत भाषण करते हुए बाल विज्ञान कांग्रेस के उद्देश्य बताए। इसके बाद बच्चों द्वारा स्वागत गीत और नृत्य प्रस्तुत किया गया। विशिष्ट अतिथि डीआर मीणा ने कार्यक्रम की उपादेयता बताई। इसके पश्चात केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग के उपायुक्त बीएल मरोडिया ने बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने के लिए आए बच्चों का उत्साहवर्धन करते नवाचार करने एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने जाने वाले बच्चों को अग्रिम बधाई देते हुए मार्गदर्शन किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, गुरुवार, 02 नवंबर, 2023

केवल ज्ञान ही एक ऐसा अक्षर तत्व है, जो कहीं भी, किसी अवस्था और किसी काल में भी मनुष्य का साथ नहीं छोड़ता।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

इजराइल के हवाई हमले में 50 लोगों की मौत, 150 से ज्यादा घायल

गाजा में शरणार्थी कैंप पर अटैक

एजेंसी । गाजा

इजरायल हमास के बीच चल रही जंग अब भयानक स्थिति में पहुंच गई है। गाजा में लगातार कहीं न कहीं लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। वहीं, गाजा में एक शरणार्थी शिविर में जबरदस्त विस्फोट की खबर सामने आई है, इस हवाई हमले में 50 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। साथ ही 150 लोग घायल हुए हैं।

गाजा में हमास द्वारा संचालित सरकार का कहना है कि इजराइल ने लगातार दूसरे दिन गाजा शहर के पास एक शरणार्थी शिविर में रिहाइशी इमारतों को हवाई हमलों में निशाना बनाया। इससे कई लोग हताहत हो गए। इससे पहले मंगलवार को इजराइली सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों ने गाजा के समीप एक शरणार्थी शिविर में अपार्टमेंट इमारतों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान सामने आई फुटेज में बचावकर्मी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को मलबे से बाहर निकालते हुए दिखे। इजराइल ने कहा कि हमले में घरों में स्थापित हमास के कमांड सेंटर और नीचे फैले सुरंगों के नेटवर्क को नष्ट कर दिया गया।

बोलीविया सरकार ने खत्म किए संबंध

ला पाज। बोलीविया सरकार ने गाजा पट्टी में हमास उग्रवादियों के खिलाफ इजराइली सैन्य हमले को समाप्त करने का आह्वान करते हुए इजराइल के साथ राजनयिक संबंध खत्म कर दिए। बोलीविया के उप विदेश मंत्री फ्रेडी ममानी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बोलीविया ने गाजा पट्टी में जारी भीषण इजराइली सैन्य हमले की निंदा करते हुए इजराइल के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का फैसला किया है।

हमास कमांडर सहित बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया

इजराइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में हमास के अभियानों की देखरेख करने वाले कमांडर सहित बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए। हमले में घायल लोगों को करीब के अस्पताल ले जाया गया। इस हमले ने दोनों पक्षों यानी इजराइली सेना और हमास में हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी को रेखांकित किया है। आतंकवादियों के खिलाफ सेना गाजा पट्टी के उत्तर में घने आवासीय इलाकों की ओर आगे बढ़ रही है।

चीन के पूर्व PM ली की अंत्येष्टि आज

बीजिंग। चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली क्विंग की गुरुवार को अंत्येष्टि की जाएगी। दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, उन्होंने मार्च में सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया था। वह प्रधानमंत्री के तौर पर करीब एक दशक, मार्च 2013 से मार्च 2023 तक, शी के बाद चीन के दूसरे नंबर के नेता रहे। वह जाने-माने अर्थशास्त्री थे और आर्थिक मंदी से निपटने में उन्होंने काफी मदद की। प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती वर्षों में ली भारत के प्रति चीन की नीति के प्रबंधन से जुड़े। प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा भारत के दौरे के रूप में की थी।

विदेशी नागरिकों की देश छोड़ने की समय सीमा समाप्त

अफगान नागरिकों को पाकिस्तान ने भेजे वापस

एजेंसी । इस्लामाबाद

अफगानियों को अपने मुल्क से बाहर निकालने की कवायद पाकिस्तान ने तेज कर दी है। पाकिस्तान ने अक्टूबर तक अपने देश में रह रहे अफगानी नागरिकों को उनका मुल्क छोड़ने का अल्टीमेटम दे दिया था, अब वह समय अवधि पूरी हो गई है। जैसे ही वह घड़ी नजदीक आई पाकिस्तान में अपनी सीमा से अफगानियों को निकालना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में पाक-अफगानिस्तान सीमा पर प्रशासनिक गतिविधियां शुरू हो गईं। सीमा पर पाक सेना और फ्रंटियर कोर बलों की बढ़ती तैनाती देखी गई है। पाकिस्तानी सेना के हाथों अत्याचार की आशंका के डर से कई अफगान शरणार्थियों ने भी सीमा पार घर लौटना शुरू कर दिया है।

20 लाख लोग होंगे प्रभावित

पाक सरकार द्वारा तय समय सीमा के खत्म होने पर बुधवार को सुरक्षा बलों ने कई ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया और दर्जनों अफगान नागरिकों को देश से बाहर भेज दिया। यह कार्रवाई नई प्रवासी-विरोधी मुहिम के तहत की गई है, जिसमें सभी अप्रमाणित या गैर पंजीकृत विदेशियों को निशाना बनाया गया है। इससे करीब 20 लाख अफगान नागरिक प्रभावित होंगे जो बिना दस्तावेज के पाकिस्तान में रह रहे हैं।

कार्रवाई रोके संयुक्त राष्ट्र: भारतीय समुदाय

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय समुदाय की एक संस्था ने अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान से लाखों अफगान नागरिकों को निकाले जाने की कार्रवाई को रोकने और पाक सरकार के इस कदम की निंदा करने की अपील की है।

ताइवान को डराने की कोशिश

चीन ने ताइवान को चौतरफा घेरा

■ ताइवान की सीमा पर भेजे 43 लड़ाकू विमान और 7 युद्धपोत

एजेंसी । ताइपे (ताइवान)

ताइवान ने कहा कि चीन ने उसकी सीमा के नजदीक 43 लड़ाकू विमान और सात नौ सैनिक पोत भेजे हैं। इस हालिया घटना के बाद माना जा रहा है कि चीन ताइवान पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति को लेकर नरम नहीं हुआ है।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बुधवार सुबह छह बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि के दौरान चीन ने इन लड़ाकू विमानों और नौ सैनिक पोत को उसकी सीमा की ओर से भेजे हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 37 विमान ताइवान जलडमरूमध्य में मध्य रेखा को पार कर गए, जिसे चीन अनौपचारिक सीमा नहीं मानता। मंत्रालय ने बताया कि

जबाव में ताइवान ने अपने लड़ाकू विमान और नौ सैनिक पोत भेजे तथा मिसाइल प्रणाली को सक्रिय कर दिया है।

ताइवान को मानता है अपना हिस्सा

अगस्त 2022 में अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद से चीन आक्रामक रुख अपनाए हुए है। चीन ने ताइवान की यात्रा पर अपनी नाराजगी दिखाने के लिए अमेरिका के साथ सैन्य संवाद स्थगित कर दिया था। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है। चीन ने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह ताइवान को बलपूर्वक अपने नियंत्रण में ला सकता है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।